



सब का सपना



उत्तराखंड में चारधाम यात्रा फिर शुरू: मौसम में सुधार के बाद 21 जुलाई से खुले मार्ग

उत्तराखंड में तीर्थयात्रियों के लिए बड़ी और राहत भरी खबर आई है। राज्य सरकार और गढ़वाल मंडल प्रशासन द्वारा यात्रा मार्गों की गहन समीक्षा करने के बाद मंगलवार (21 जुलाई 2026) से चारधाम यात्रा को दोबारा सुचारू रूप से शुरू कर दिया गया है। गढ़वाल मंडल के आयुक्त आनंद स्वरूप ने बताया कि चारधाम यात्रा से जुड़े सभी जनपदों के जिला प्रशासन, पुलिस, एसडीआरएफ तथा संबन्धित विभागों के साथ समन्वय बनाकर यात्रा का संचालन किया जा रहा है। यात्रा मार्गों की निरंतर निगरानी की जा रही है तथा संवेदनशील क्षेत्रों पर विशेष सतर्कता बरती जा रही है। उन्होंने यात्रियों से अपील की है कि यात्रा के दौरान यदि किसी स्थान पर भारी वर्षा, भूस्खलन अथवा अन्य कारणों से यात्रा मार्ग अस्थायी रूप से बाधित होता है तो वे प्रशासन द्वारा निर्धारित सुरक्षित स्थानों अथवा होटलिंग एरिया में ही रुके

नई दिल्ली एजेंसी: प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने कहा कि पेपर लीक का मुद्दा केवल किसी एक राज्य या केंद्र सरकार तक सीमित नहीं है, बल्कि पूरे देश की चिंता का विषय है। जैसे ही सरकार को पेपर लीक की जानकारी मिली, तुरंत कार्रवाई की गई और अब तक इस मामले में 13 आरोपियों को गिरफ्तार कर जेल भेजा जा चुका है। केंद्रीय संसदीय कार्य मंत्री किरेन रिजिजू ने मंगलवार को एनडीए की मंगल मिलन बैठक के बाद मीडिया को प्रधानमंत्री के संदेश की जानकारी दी। उन्होंने बताया कि पीएम मोदी ने पेपर लीक को पूरे देश की चिंता का विषय बताते हुए कहा कि पेपर लीक जैसे गंभीर अपराध में शामिल लोगों को कड़ी से कड़ी सजा दिलाने के लिए देश के वरिष्ठ वकीलों को भी आगे आना चाहिए, ताकि भविष्य में ऐसे



अपराध करने वालों के मन में कानून का डर पैदा हो। इसी के साथ उन्होंने वरिष्ठ वकीलों से अपील की कि वे इस गंभीर मुद्दे में आगे आएँ और आरोपियों को कठोर सजा दिलाने में मदद करें। पीएम मोदी का सख्त रुख

प्रधानमंत्री ने कहा कि पेपर लीक का मुद्दा किसी एक राज्य या केंद्र सरकार तक सीमित नहीं है, बल्कि पूरे देश और युवाओं के भविष्य से जुड़ा है। उन्होंने बताया कि जैसे ही सरकार को पेपर लीक की जानकारी मिली,

तुरंत कार्रवाई की गई और अब तक 13 आरोपियों को गिरफ्तार कर जेल भेजा जा चुका है। पीएम मोदी ने जोर देकर कहा कि सरकार की पहली प्राथमिकता छात्रों का भविष्य सुरक्षित रखना है। इसी कारण नीट परीक्षा

भारतीय युवा विज्ञान, प्रौद्योगिकी और नवाचार के क्षेत्र में.....

बैठक के दौरान प्रधानमंत्री ने स्काईरूट एयरोस्पेस द्वारा विक्रम-1 रॉकेट के सफल प्रक्षेपण की सराहना की और कहा कि भारतीय युवा विज्ञान, प्रौद्योगिकी और नवाचार के क्षेत्र में नई ऊंचाइयों को छू रहे हैं। इसलिए सरकार अपना समय, ऊर्जा और पूरा फोकस युवाओं और उनके भविष्य पर केंद्रित रखेगी।

दोबारा कराई गई और परिणाम भी समय पर घोषित किए गए। युवाओं पर फोकस रिजिजू ने बताया कि प्रधानमंत्री का मानना है कि पेपर लीक रैकेट में शामिल सभी लोगों को सख्त से सख्त सजा मिलनी चाहिए। उन्होंने सभी राज्यों और राजनीतिक दलों से अपील की कि वे इस अपराध के खिलाफ एकजुट होकर कार्रवाई करें। प्रधानमंत्री ने कहा कि सरकार न केवल पेपर लीक रोकने का भरोसा दे रही है, बल्कि युवाओं को विश्व स्तर पर नेतृत्व करने के लिए तैयार भी कर रही है। अन्य मुद्दों पर चर्चा बैठक के दौरान प्रधानमंत्री ने स्काईरूट एयरोस्पेस द्वारा विक्रम-1 रॉकेट के सफल प्रक्षेपण की सराहना की और कहा कि भारतीय युवा विज्ञान, प्रौद्योगिकी और नवाचार के क्षेत्र में नई ऊंचाइयों को छू रहे हैं। इसलिए सरकार अपना समय, ऊर्जा और पूरा फोकस युवाओं और उनके भविष्य पर केंद्रित रखेगी। मानसून सत्र को लेकर पीएम मोदी ने एनडीए सांसदों से कहा कि वे सकारात्मक भूमिका निभाएं और सभी महत्वपूर्ण विधेयकों को एकजुट होकर पास कराएं। उन्होंने विपक्ष से भी संसद की कार्यवाही सुचारू रूप से चलाने का सहयोग मांगा। रिजिजू ने कहा कि बैठक बेहद सकारात्मक रही, जिसमें प्रधानमंत्री ने देश की हालिया उपलब्धियों और विभिन्न देशों के साथ हुए मुक्त व्यापार समझौतों का भी जिक्र किया।

अब खुलकर आ गए राहुल-प्रियंका, पीएमआवास के पास धरने पर बैठे, बात करने पहुंचे केंद्रीय मंत्री जितेंद्र सिंह

नई दिल्ली एजेंसी: लोकसभा में विपक्ष के नेता और कांग्रेस सांसद राहुल गांधी ने मंगलवार को नई दिल्ली में प्रधानमंत्री के सरकारी आवास (7, लोक कल्याण मार्ग) के बाहर विरोध प्रदर्शन का नेतृत्व किया। उन्होंने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी, केंद्रीय शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान और केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह के इस्तीफे की मांग की। यह मांग 'काँकरोच जनता पार्टी' के संसद मार्च के दौरान प्रदर्शनकारियों पर पुलिस की कार्रवाई के विरोध में की गई थी, जो एक दिन पहले हुआ था। उन्होंने सरकार पर आरोप लगाया कि वह इस घटना की जिम्मेदारी लेने या संसद में इस मुद्दे पर चर्चा करने से इनकार कर रही है। साथ ही, उन्होंने प्रधानमंत्री और गृह मंत्री के इस्तीफे की अपनी मांग दोहराई। यह विरोध प्रदर्शन संसद के मॉनसून सत्र के



दूसरे दिन हुआ। इससे एक दिन पहले सीजेपी के 'चलो संसद' मार्च के दौरान दिल्ली पुलिस और पार्टी समर्थकों के बीच झड़प हुई थी, जिसमें कई प्रदर्शनकारी घायल हो गए थे। चन्नी ने प्रदर्शनकारियों पर पुलिस की कार्रवाई को बीजेपी का आतंकवाद बताया पंजाब के पूर्व मुख्यमंत्री चरणजीत सिंह चन्नी, प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के सरकारी आवास के बाहर कांग्रेस के उस

विरोध प्रदर्शन में शामिल हुए, जो 'काँकरोच जनता पार्टी' (सीजेपी) के प्रदर्शनकारियों के खिलाफ पुलिस की कार्रवाई के विरोध में किया जा रहा था। प्रदर्शन के दौरान दिल्ली पुलिस द्वारा हिरासत में लिए जाने के बाद, चन्नी ने बीजेपी पर छात्रों के विरोध प्रदर्शन को दबाने का आरोप लगाया और पुलिस की कार्रवाई को "बीजेपी का आतंकवाद" करार दिया। उन्होंने आरोप लगाया कि

सरकार जवाबदेही की मांग कर रहे युवा प्रदर्शनकारियों की आवाज दबाने के लिए बल प्रयोग कर रही है। दिल्ली पुलिस ने पीएम आवास के पास धरना दे रहे कांग्रेस नेताओं को हिरासत में लेना शुरू किया।मंगलवार को दिल्ली पुलिस ने लोक कल्याण मार्ग के पास विरोध प्रदर्शन कर रहे कई कांग्रेस कार्यकर्ताओं को हिरासत में ले लिया। इस विरोध प्रदर्शन का नेतृत्व कांग्रेस के वरिष्ठ नेताओं ने किया, जिनमें पार्टी अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे, लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी, प्रियंका गांधी वाड़ा, के.सी. वेणुगोपाल और पवन खेड़ा शामिल थे। पार्टी नीट-यूजी परीक्षा में कथित अनियमितताओं को लेकर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और केंद्रीय शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान के इस्तीफे की मांग कर रही है।

जरूरत पड़ी तो मैं दिल्ली जाऊँगी... सीजेपी के विरोध-प्रदर्शन में शामिल होने का ममता ने दिया संकेत

नई दिल्ली एजेंसी: तृणमूल कांग्रेस की प्रमुख ममता बनर्जी ने मंगलवार को कहा कि अगर जरूरत पड़ी तो वह दिल्ली जाएंगी और 'काँकरोच जनता पार्टी' (सीजेपी) के विरोध प्रदर्शन में शामिल होंगी। साथ ही, उन्होंने बीजेपी के खिलाफ विपक्ष की एकजुटता का भी आह्वान किया। कोलकाता में टीएमसी की 'शहीद दिवस' रैली को संबोधित करते हुए बनर्जी ने कहा, "हमने शुरू से ही सीजेपी का समर्थन किया है। अगर जरूरत पड़ी, तो मैं दिल्ली जाऊँगी और उनके विरोध प्रदर्शन में शामिल होऊँगी। उन्होंने आगे कहा अब समय आ गया है कि बीजेपी के खिलाफ 'भारत अलायंस' के बैनर तले एकजुट हुआ जाए। मैं देश की सभी पार्टियों और पूरे देश से, और बंगाल में भी, यही अपील करती हूँ।



दिल्ली में सोमवार को हुए विरोध प्रदर्शन का जिक्र करते हुए बनर्जी ने कहा कि छात्रों के खिलाफ कथित पुलिस कार्रवाई के बाद प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने अपनी गाड़ी मोड़ ली। उन्होंने यह भी आरोप लगाया कि बीजेपी के नेतृत्व वाली सरकार ने तानाशाही की सारी हदें पार कर दी हैं। उन्होंने कहा लोग बीजेपी के अत्याचारों को समझ सकते हैं। इसने हटलर और स्टालिन को भी पीछे छोड़ दिया है। उन्होंने आगे कहा कि यह लड़ाई लोकतंत्र को बचाने का आंदोलन है। बनर्जी ने यह भी आरोप लगाया कि बीजेपी ने टीएमसी के 'शहीद दिवस' कार्यक्रम में बाधा डालने की कोशिश की और दावा किया कि सोमवार रात बंदूकें लिए हुए करीब 600 बाइक सवार 'शहीद दिवस' के मंच को नष्ट करने आए थे। उन्होंने कहा कल रात मैंने, अभिषेक और अन्य नेताओं ने

बीजेपी के लगातार हमलों से 'शहीद दिवस' के मंच की सुरक्षा की। लेकिन कई बार पुलिस को सूचित करने के बाद भी हमें कोई मदद नहीं मिली। हम समझ सकते हैं कि इसके पीछे किसका हाथ है। बीजेपी के नेतृत्व वाली राज्य सरकार पर निशाना साधते हुए बनर्जी ने कहा बीजेपी राज्य सरकार डर की सरकार है। उन्होंने हमारी पार्टी के कई कार्यकर्ताओं की हत्या की और उन्हें परेशान किया। उन्होंने आगे कहा वे मुझे आज रैली करने से रोकना चाहते थे। लेकिन वे नाकाम रहे। उन्होंने यह भी कहा कि वह जल्द ही पश्चिम बंगाल के जिलों का दौरा करेंगी और उन्हें रोकने की कोशिश करने वालों को चुनौती दी। उन्होंने कहा मैं जल्द ही जिलों का दौरा करूँगी

अचानक सीजेपी विरोध प्रदर्शन में घायल लोगों से मिलने अस्पताल पहुंच गए जेपी नड्डा, डॉक्टरों के साथ की हाई लेवल मीटिंग

नई दिल्ली एजेंसी: केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्री जेपी नड्डा ने मंगलवार को राजधानी के राम मनोहर लोहिया अस्पताल का दौरा किया। वे सोमवार को सीजेपी के विरोध मार्च के बाद पुलिस की कार्रवाई में घायल हुए लोगों से मिलने गए थे। नड्डा अस्पताल पहुंचे और विरोध प्रदर्शन के दौरान घायल होने के बाद इलाज के लिए भर्ती लोगों से बातचीत की। अपने दौरे के दौरान, केंद्रीय मंत्री ने डॉक्टरों के साथ बैठक भी की ताकि घायलों की हालत और उन्हें दी जा रही मेडिकल देखभाल का जायजा ले सकें। इलाज की व्यवस्थाओं का जायजा लेने और घायलों से मिलने के बाद नड्डा अस्पताल से चले गए। नड्डा के अलावा, लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी और कांग्रेस सांसद प्रियंका गांधी वाड़ा ने भी आरएमएल अस्पताल में घायल प्रदर्शनकारियों से मुलाकात की। सोमवार को संसद की ओर सीजेपी का विरोध मार्च हिंसक हो गया था। दिल्ली पुलिस का दावा है कि झड़पों



में 118 से ज्यादा पुलिसकर्मी घायल हुए। साथ ही, लगभग 60 प्रदर्शनकारियों के भी घायल होने की खबर है। पुलिस के मुताबिक, प्रदर्शनकारियों ने कथित तौर पर पुलिसकर्मियों पर पत्थर और दूसरी चीजें फेंकीं, बैरिकेड तोड़ने की कोशिश की, पुलिस और सरकारी गाड़ियों में तोड़-फोड़ की और सार्वजनिक संपत्ति को नुकसान पहुंचाया। पुलिस ने कनॉट प्लेस और पार्लियामेंट स्ट्रीट में हुई कथित तोड़-फोड़ और पत्थरबाजी के मामले में अज्ञात लोगों के खिलाफ प्राथमिकी दर्ज की है। सीजेपी का एक प्रतिनिधिमंडल सोमवार को केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्री जेपी नड्डा से मिला और कई मांगें रखीं, जिनमें प्रधान का

इस्तीफा, जान गंवाने वाले नीट उम्मीदवारों के परिवारों को 1 करोड़ रुपये का मुआवजा और सफरदर्ज अस्पताल में इलाज करा रहे क्लाइमेट एक्टिविस्ट सोनम वांगचुक की तुरंत रिहाई शामिल है। सीजेपी के मुख्य प्रवक्ता सौरव दास ने कहा कि जब तक प्रधान इस्तीफा नहीं देते, तब तक विरोध प्रदर्शन जारी रहेगा। राज्सभा में सदन के नेता नड्डा ने कहा कि उन्हें प्रदर्शनकारियों से सरकार के साथ बातचीत करने का प्रस्ताव मिला है और उन्होंने उनसे अपना धरना खत्म करने की अपील की। इस बीच, सोनम वांगचुक का सफरदर्ज अस्पताल में डॉक्टरों की एक मल्टी-डिसिप्लिनरी टीम की देखरेख में इलाज चल रहा है।

छात्रों के बाद अब किसानों ने कर दिया बड़ा ऐलान, दिल्ली पुलिस के फूले हाथ- पाव, ...शंभू बॉर्डर किए सील

नई दिल्ली एजेंसी: प्रतिवोगी परीक्षाओं में गड़बड़ी को लेकर राष्ट्रीय राजधानी में अपनी मांग को लेकर हठाकंठरोच जनता पार्टी (सीजेपी) ने धरने पर बैठी है। सीजेपी का एक प्रतिनिधि मंडल ने जेपी नड्डा से मुलाकात की थी, लेकिन इस बीच बड़ी खबर आई है कि भारततअमरीका समझौते में नाराज किसानों ने दिल्ली में महापंचायत का ऐलान कर दिया है। इससे सरकार के हाथ उड़ गए हैं। किसानों का आरोप है कि इससे अमरीकी कृषि प्रोडक्ट्स भारत में सस्ते रेट में बिकमें जिससे किसानों का नुकसान होगा। इसे लेकर नाराज किसान दिल्ली कूच कर दिया है। हालाँकि राष्ट्रीय राजधानी में मंगलवार को किसान महापंचायत में हिस्सा लेने जा रहे कम से कम चार किसानों को दिल्ली पुलिस ने हरियाणा से सटे सिंधू बॉर्डर पर हिरासत में ले लिया। सूत्रों ने यह जानकारी दी।

प्रस्तावित भारत-अमेरिका व्यापार समझौते के विरोध में "देश बचाओ मोर्चा" के बैनर तले दिल्ली के किसान घाट पर एक दिवसीय "किसान महापंचायत" आयोजित हो रहा है। दिल्ली में काँकरोच जनता पार्टी (काँजपा) द्वारा सोमवार को आयोजित "संसद चलो" मार्च के मद्देनजर, दिल्ली की सीमाओं पर सुरक्षा व्यवस्था कड़ी कर दी गयी है। कई स्तर की बैरिकेडिंग की गई है और वाहनों की सघन जांच की जा रही है। हरियाणा के एक किसान ने आरोप लगाया कि उसे और कई अन्य लोगों को महापंचायत में शामिल होने के लिए दिल्ली में प्रवेश करने का प्रयास करते समय सिंधू बॉर्डर के पास हिरासत में लिया गया। उन्होंने दावा किया कि पुलिस ने उन्हें दिल्ली जाने की अनुमति नहीं दी और उन्हें अपने वाहन सीमा पर खड़े करने और वहीं रहने का निर्देश दिया।

मध्य प्रदेश विधानसभा में यूसीसी बिल पास, सीएम मोहन यादव ने बताया सुनहरा दिन, कहा- अब सबको मिलेगा समान अधिकार

भोपाल एजेंसी: मध्य प्रदेश विधानसभा ने विपक्षी कांग्रेस पार्टी के विरोध के बीच 'यूनिफॉर्म सिविल कोड' (यूसीसी) बिल को ध्वनि मत से पारित कर दिया। विपक्षी विधायक चाहते थे कि बिल को चर्चा के लिए एक सेलेक्ट कमिटी के पास भेजा जाए, हालाँकि, तकनीकी शिक्षा और कौशल विकास मंत्री गौतम टेटवाल द्वारा ध्वनि मत से बिल पारित करने का प्रस्ताव रखे जाने के बाद इसे मंजूरी दे दी गई। मध्य प्रदेश के मुख्यमंत्री मोहन यादव ने इसे सुनहरा दिन बताया और कांग्रेस पार्टी की गलत सोच की आलोचना की।

यादव ने मीडिया से कहा यूनिफॉर्म सिविल कोड बिल का पास होना मध्य प्रदेश के 8.5 करोड़ लोगों के लिए समसुक्त एक सुनहरा दिन है। मध्य प्रदेश विधानसभा में इस कानून का लागू होना 'एक देश, एक संविधान, एक झंडा, एक नेता' के उस विजन के प्रति हमारी सच्ची प्रतिबद्धता के दिखता है, जिसे डॉ. भीमराव अंबेडकर, सरदार वल्लभभाई पटेल और डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी ने आगे बढ़ाया था... यह कदम महिलाओं को बहुविवाह से होने वाली परेशानियों से मुक्त दिलाएगा और उनके अधिकारों के



लिए सरकारी समर्थन सुनिश्चित करेगा। मैं पूरे राज्य को बधाई देना चाहता हूँ और कांग्रेस पार्टी से पृष्ठना

चाहता हूँ कि 'वे हमेशा हिंदुओं और मुसलमानों के बीच बंटवारा क्यों पैदा करना चाहते हैं?' कांग्रेस की इसी

गलत सोच के कारण ही आजादी के समय देश का बंटवारा हुआ था। यह बिल किस बारे में है? यह बिल 'तीन

मध्य प्रदेश विधानसभा में इस कानून का लागू होना 'एक देश, एक संविधान, एक झंडा, एक नेता' के उस विजन के प्रति हमारी सच्ची प्रतिबद्धता को दिखाता है, जिसे डॉ. भीमराव अंबेडकर, सरदार वल्लभभाई पटेल और डॉ. श्यामा प्रसाद

तलाक' और 'निकाह हलाला' को अपराध घोषित करेगा, बहुविवाह पर रोक लगाएगा और लिव-इन रिलेशनशिप में रहने वाले जोड़ों के लिए अपने रिश्ते को एक महीने के भीतर रजिस्टर कराना जरूरी बनाएगा; ऐसा न करने पर उन्हें तीन महीने तक की जेल हो सकती है। इसमें सभी समुदायों के लिए एक ही जीवनसाथी रखने (मोनोगैमी) का नियम भी शामिल है, जिसके तहत कोई भी व्यक्ति एक समय में एक से ज्यादा जीवित जीवनसाथी नहीं रख सकता। इसके अलावा, शहरी इलाकों में एम्पी ई-नगरपालिका पोर्टल के जरिए शादियों और तलाक का रजिस्ट्रेशन कराना जरूरी होगा। ग्रामीण इलाकों में, रजिस्ट्रेशन का काम एसडीएम द्वारा नगर पालिकाओं या पंचायतों के जरिए

किया जाएगा। साथ ही, बिल में निकाह हलाला को सजा-शोष्य अपराधिक अपराध माना गया है। मध्य प्रदेश कैबिनेट ने रविवार को यूनिफॉर्म सिविल कोड (यूसीसी) के ड्राफ्ट को मंजूरी दी, जिसे सोमवार को राज्य विधानसभा में पेश किया जाना था। सोमवार को स्पीकर नरेंद्र सिंह तोमर के यह कहने के बाद कि इस मामले पर अगले दिन चर्चा होगी, मंगलवार को बिल को फिर से पेश किया गया। यह ड्राफ्ट जस्टिस रंजना देसाई (रिटायर्ड) कमटी ने तैयार किया था और पिछले हफ्ते मुख्यमंत्री मोहन यादव को सौंपा था।

संपादकीय

फुटबॉल के उतार-चढ़ाव

आखिरकार फीफा वर्ल्ड कप के फाइनल मुकाबले में स्पेन के हाथों पिछले चैंपियन अर्जेंटीना की हार के साथ ही दुनियाभर में छाया फुटबॉल का खुमार थम गया। निस्संदेह, यह फुटबॉल के इतिहास का सबसे बड़ा विश्वकप था। संभवतः हाल के दशकों में संपन्न विश्वकप मुकाबलों में सबसे अधिक विवादास्पद भी। इस आयोजन को सफल बनाने में तीन मेजबान देशों—अमेरिका, कनाडा और मैक्सिको की भागीदारी रही है। इस टूर्नामेंट में 48 टीमों ने शिरकत की और 104 मैचों का आयोजन किया गया। इस आयोजन ने फुटबॉल की वैश्विक लोकप्रियता को तो दिखाया ही, साथ ही इस खेल के भविष्य को लेकर भी सवाल उठ खड़े हुए। बहरहाल, स्पेन ने 16 साल बाद अपना यह दूसरा खिताब जीता। उसने एक औसत दर्जे के फाइनल मुकाबले में मौजूदा चैंपियन अर्जेंटीना को 1-0 से हराया। वहीं दूसरी ओर तीसरे स्थान के लिए कड़ा मुकाबला टूर्नामेंट की दो सबसे शानदार टीमों इंग्लैंड और फ्रांस के बीच हुआ। इस बेहद रोमांचक और यादगार मुकाबले में इंग्लैंड ने 6-4 से जीत हासिल की। वहीं इस टूर्नामेंट में कुछ अल्प ज्ञात टीमों का प्रदर्शन फुटबॉल की दुनिया में उम्मीद जगाने वाला रहा। इस विश्व कप में कैप वर्डे, डेमोक्रैटिक रिपब्लिक ऑफ कांगो और कुराकाओ जैसे छोटे देशों का प्रेरणादायक खेल दर्शकों को मंत्रमुग्ध कर गया। बहरहाल, एक बार फिर किलियन एम्बाप्पे और लियोनेल मेसी जैसे फुटबॉल के बड़े सितारों ने इस सबसे बड़े मंच पर अपनी चमक बिखेरी। दूसरी ओर क्रिस्टियानो रोनाल्डो के लिए एक बार फिर कहानी निराशाजनक रही। उनके प्रशंसक उनकी यादगार विराई चाहते थे। लेकिन किसी भी खिलाड़ी की कामयाबी में टीम वर्क की बड़ी भूमिका होती है। खिलाड़ियों की साझी भूमिका से ही बड़े स्टार खिलाड़ी चमक सकते हैं। यही वजह है कि किलियन एम्बाप्पे और लियोनेल मेसी जैसे अद्भुत खिलाड़ी बेहतरीन प्रदर्शन के बावजूद विश्वकप खिताब से वंचित रह गए। निस्संदेह, किसी भी मजबूत टीम के नगीनों के साझे प्रयास से ही स्वीर्णिम सफलता का निर्धारण हो पाता है। बहरहाल, अब तक के सबसे बड़े और तीन देशों में खेले गए इस टूर्नामेंट के साथ कई तरह के विवाद भी जुड़े। टेकोनॉलॉजी पर फीफा की बढ़ती निर्भरता को लेकर भी आलोचकों ने सवाल उठाये। विशेष रूप से वीडियो असिस्टेड रेफरी यानी वीआए सिस्टम को लेकर संशय पैदा हुआ। फुटबॉल प्रेमियों ने माना कि यह सिस्टम भरोसेमंद नहीं है। इसके उपयोग और भूमिका को लेकर कई खिलाड़ियों, कोचों और दर्शकों में नाराजगी देखी गई।

चितन-मनन

दोनों प्रकार का धन एक साथ नहीं मिल सकता

संसार में दो प्रकार का धन होता है भौतिक धन और दूसरा आध्यात्मिक धन। मनुष्य का स्वभाव है कि वह ज्यादा से ज्यादा धन कमाने की चाहत रखता है। कोई व्यक्ति सोना, चांदी, रुपए पैसे का अंबार लगाकर धनवान कहलाता है तो कोई भूखा, प्यासा रहकर भी धनवान कहलता है। वास्तव में धनवान दोनों हैं। एक भौतिक धन का धनी है तो दूसरा आध्यात्मिक धन का धनी है। शास्त्र और पुराण कहते हैं कि दोनों धनों में से अध्यात्म रूपी धन ज्यादा श्रेष्ठ है क्योंकि इसे कोई छीन नहीं सकता। इसे कोई चुरा भी नहीं सकता है। जिसके पास अध्यात्म रूपी धन होता है वह निश्चित होता है। उसे किसी प्रकार की चिंता और भय नहीं रहता है। संसार में कोई भी ऐसा व्यक्ति नहीं है जो एक साथ इन दोनों धनों का सुख प्राप्त कर सके। अध्यात्म और भौतिक धन दोनों दो नाव के समान हैं। आप जानते हैं कि दो नाव की सवारी एक साथ नहीं की जा सकती, अगर ऐसा करेंगे तो डूबना तय है। मर्जी हमारी है कि हम अध्यात्मिक धन अर्जित करके ईश्वर का ऋण चुका दें और जीवन-मरण के चक्र को पार करके दुःख से मुक्ति प्राप्त कर लें। दूसरा रास्ता यह है भौतिक धन अर्जित करके सांसारिक सुख का आनंद लें और बार-बार जीवन-मरण के चक्र में उलझकर पाप का फल प्राप्त करें। भागवत कहता है कि ईश्वर जिसे प्यार करता है उससे उसका सब कुछ छीन लेता है। सब कुछ छीन लेने का अर्थ है सांसारिक सुख छीन लेना। कबीर दास, तुलसीदास, रहीम, मीराबाई, सूरदास, कर्मेती बाई इसके उदाहरण हैं। ईसा मसीह ने भी कहा है कि सूई के छिद्र से ऊंट भले ही पार कर जाए लेकिन एक अमीर आदमी स्वर्ग प्राप्त नहीं कर सकता। स्वर्ग नहीं मिलने का अर्थ है, ईश्वर की कृपा प्राप्त नहीं होना। इसका कारण यह है कि जब बहुत धन आ जाता है तो व्यक्ति धन संभालने और उसकी सुरक्षा को लेकर ही संदेव चिंतित रहता है। ईश्वर के लिए न तो उनके पास समय होता है और न भक्ति भावना। धन के अहंकार में व्यक्ति ईश्वरीय सत्ता को भी चुनौती देने लगता है। तीर्थस्थलों को पर्यटन स्थल मानकर उनका अपमान करता है। इसलिए ही कहा गया है कि आध्यात्मिक धन और सांसारिक धन एक साथ नहीं मिल सकता है।

आवश्यकता है

आवश्यकता है दैनिक सब का सपना समाचार पत्र को उत्तर प्रदेश के समस्त जिलों में ब्लॉक स्तर, तहसील स्तर व जिला स्तर पर संवाददाताओं की इच्छुक अभ्यर्थी संपर्क करें या व्हाट्सएप करें।

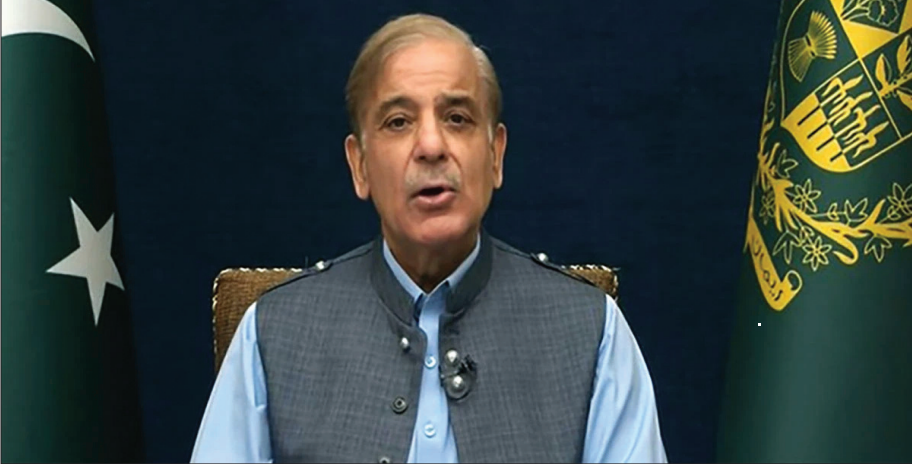
9456884327/8218179552

भारत से टकराने की जिद बड़ी भारी पड़ती है, 'हिंदुस्तान के हिस्से का बिल' भी भर रहा है पाकिस्तान!



नीरज कुमार दुबे

सीमापार आतंकवाद को अपनी सरकारी नीति बना चुके पाकिस्तान की आज ऐसी दुर्गति हो चुकी है कि वह भारत के खिलाफ साजिश रचने की कीमत भी अपनी जेब से चुका रहा है। दरअसल, सिंधु जल संधि को लेकर भारत को अंतरराष्ट्रीय मंचों पर घेरने की नाकाम कोशिश में इस्लामाबाद न केवल अपनी ओर से खर्च उठा रहा है, बल्कि भारत के हिस्से का व्यय भी खुद अदा कर रहा है। यानी जिस देश को वह कटघरे में खड़ा करना चाहता है, उसी का बिल भी उसे भरना पड़ रहा है। यह दृश्य पाकिस्तान का आर्थिक बदहाली, कूटनीतिक बेबसी और बौखलाहट का सबसे बड़ा प्रमाण है। दुनिया के सामने भारत को घेरने निकला पाकिस्तान आज अपनी ही बनाई चाल में फंसकर उपहास का पात्र बन गया है। हम आपको बता दें कि सिंधु जल संधि वर्ष 1960 में भारत और पाकिस्तान के बीच हुई थी। इस व्यवस्था के अंतर्गत छह नदियों के जल के बंटवारे का ढांचा तय किया गया था। दशकों तक भारत ने संधि का पूरी निष्ठा से पालन किया, जबकि दूसरी ओर पाकिस्तान लगातार आतंकवाद को संरक्षण देता रहा। पहलगामा में हुए भीषण आतंकी हमले के बाद भारत ने साफ संदेश दिया



कि जब तक पाकिस्तान सीमापार आतंकवाद का विश्वसनीय और स्थायी रूप से परित्याग नहीं करता, तब तक सामान्य स्थिति की उम्मीद नहीं की जा सकती। इसी क्रम में भारत ने संधि से जुड़ी कार्यवाहियों में अपनी भागीदारी स्थगित कर दी। भारत का रुख बिल्कुल स्पष्ट है। नई दिल्ली का कहना है कि मौजूदा परिस्थितियां 1960 जैसी नहीं रहें। जलवायु परिवर्तन, बढ़ती आबादी, ऊर्जा की आवश्यकता, नई प्रौद्योगिकी और सबसे बढ़कर पाकिस्तान प्रायोजित सीमापार आतंकवाद ने पूरे परिदृश्य को बदल दिया है। ऐसे में संधि की समीक्षा और नए सिरे से विचार स्वाभाविक आवश्यकता है। इसके विपरीत पाकिस्तान हर अंतरराष्ट्रीय मंच पर भारत को घेरने की नाकाम कोशिश कर रहा है। लेकिन विडंबना देखिए कि जिस मध्यस्थता प्रक्रिया से वह भारत पर दबाव बनाना चाहता है, उसी का पूरा आर्थिक बोझ भी उसे स्वयं उठाना पड़ रहा है। यह उस

कूटनीतिक दिवालियेपन का प्रतीक है जिसमें पाकिस्तान दुनिया के सामने अपनी दलीलें जीवित रखने के लिए किसी भी कीमत पर तैयार दिखाई देता है। सच्चाई यह भी है कि सिंधु जल संधि से दशकों तक सबसे बड़ा लाभ पाकिस्तान को मिला। भारत, ऊपरी प्रवाह वाला देश होने के बावजूद, संधि की कटौत शर्तों का पालन करता रहा। अनेक विशेषज्ञ लंबे समय से यह प्रश्न उठाते रहे हैं कि यह व्यवस्था भारत के हितों के अनुरूप नहीं रही। इसके बावजूद भारत ने जिम्मेदार राष्ट्र का परिचय दिया। लेकिन जब पड़ोसी देश आतंकवादियों को शरण दे, प्रशिक्षण दे और भारत के निर्दोष नागरिकों का रक्त बहाने वालों को संरक्षण प्रदान करे, तब केवल सद्भावना के आधार पर संबंध नहीं चल सकते। पाकिस्तान को यह समझ लेना चाहिए कि अंतरराष्ट्रीय मंचों पर शोर मचाने से वास्तविकता नहीं बदलती। आतंकवाद और बातचीत, आतंकवाद और सहयोग,

क्या समाज में दम तोड़ रही मानवीय वेदना, संवेदना और इंसानियत?

-हजारीबाग में पिछले एक सप्ताह में 7 शवों का लावारिश हालत में मिलना खड़ा करता है कई यक्ष प्रश्न..., अस्पताल कैपस से मिले दो अज्ञात शव चिंता का विषय
-अमन-चैन व सौहार्द वातावरण के शहर हजारीबाग के सामाजिक ताने- बाने पर उठ रहें हैं कई सवाल

ऐसे इन सभी शवों को पुलिस की मौजूदगी में मुक्तिधाम सेवा संस्थान के सचिव सह वाई पापंद प्रतिनिधि नीरज कुमार ने बड़े मशक्कत के बाद सम्मानपूर्वक उठाकर फिलवक्त पहचान के लिए रखवाया है। हीराबाग चौक के समीप गहरे दलदल के एक नाली से एक शव को निकालने के क्रम में वे हादसा के शिकार भी हो सकते थे लेकिन उन्होंने डंडे के सहारे पहले दलदल की गहराई नापी फिर शव को निकाला। ऐसे कई दिनों से पड़े शवों के दुर्गंध को सहकर उन्होंने इस सेवा क्षेत्र में जो मिसाल पेश किया है वह सराहनीय है। नीरज कुमार और उनकी टीम का कार्य निस्संदेह मानवीय संवेदनाओं का उत्कृष्ट उदाहरण है। जब सबों की पहचान नहीं हो पाएगी तब इनके द्वारा ही सम्मानपूर्वक इनका अंतिम संस्कार कर दिया जाएगा। अब सवाल यह उठता है कि इनका अंतिम संस्कार करके क्या हम अपने सामाजिक दायित्व से मुक्त हो सकते हैं? या फिर हमें उन कारणों की तलाश भी करनी चाहिए, जिसकी वजह से लोग इस स्थिति तक पहुंच रहे हैं? हजारीबाग में पिछले एक सप्ताह के दौरान इन शवों की लावारिश हालत में झील के मत्स्य विभाग के समीप से मिलना, हीराबाग स्थित बिजली विभाग के सामने के नाले से मिलना, नगरवा- चुरचू के पत्थर एक

माईस से मिलना, रेलवे स्टेशन के बोगी से मिलना तो रहस्यमय है ही लेकिन शेख भिखारी मेडिकल कॉलेज अस्पताल के भीतर से दो शवों का बरामद होना बेहद ही चिंतनीय और गंभीर सवाल खड़ा करता है। यहां लोग जीवन बचाने की आस लेकर पहुंचते हैं लेकिन बीते एक सप्ताह के भीतर वाई से एक शव और एक शव ट्रामा सेंटर के बाहर से बरामद होना व्यवस्था और सामाजिक संवेदनशीलता दोनों पर सवाल खड़े करती है। वर्तमान समाज में मानसिक तनाव, अवसाद, आर्थिक दबाव, नशे की बढ़ती प्रवृत्ति और आपसी विवाद लगातार बढ़ रहे हैं। कई बार लोग किसी दुर्घटनाग्रस्त व्यक्ति को देखकर मुंह मोड़ लेते हैं तो कई बार अस्पताल के बाहर छोड़कर चंपत हो जाते हैं। ऐसे लोग कौन हैं? उनकी जिम्मेवारी कैसे तय होगी और कौन तय करेगा? क्या हमारी संवेदनाएं इतनी कमजोर हो गई है कि हम किसी जरूरतमंद को मदद नहीं कर सके या किसी जरूरतमंद को अस्पताल पहुंचाकर यहां भर्ती कराने या उसके परिजनों तक सूचना पहुंचाने का भी प्रयास नहीं कर सकते? अचानक सभी शासन- प्रशासन को दोष देने का नहीं है। समाज को ऐसे विषयों पर सामाजिक रूप से मिलकर चिंतक- मंथन करना होगा। हमें आत्म मंथन करना होगा। परिवारों में संवाद कम हो रहे हैं,

संविधान और संप्रभु भारत का अमर प्रतीक तिरंगा



कोकिला सरोजिनी नायडू ने भी राष्ट्र ध्वज की महत्ता का उल्लेख करते हुए संविधान सभा में राष्ट्र ध्वज का प्रस्ताव पेश करते समय 22 जुलाई 1947 को कहा था कि नए भारत के सभी नागरिकों को इस राष्ट्र ध्वज को प्रणाम करना होगा और इसके नीचे कोई छोटा-बड़ा नहीं होगा। राष्ट्र ध्वज का सफर 7 अगस्त 1906 को आरंभ हुआ था। हरे, पीले और लाल रंग की तीन पट्टियों से बना यह राष्ट्रीय ध्वज कलकत्ता के पारसी बागान में फहराया गया था। उस ध्वज पर ऊपर की हरी पट्टी पर एक ही पंक्ति में सफेद रंग के आठ कमल अंकित थे जबकि बीच वाली पीली पट्टी पर देवनागरी में गहरे नीले रंग से चंदमार्तर-लिखा था और नीचे की लाल पट्टी पर बायें ओर एक सफेद सूर्य और दायें ओर एक-एक सफेद चन्द्रमा और तारा अंकित थे। 'भारत का झंडा' नामक यह ध्वज हालाँकि भारत के सभी धर्मों, सम्प्रदायों और साम्प्रदायिक सद्भावना को मद्देनजर रखते हुए तैयार किया गया था लेकिन यह ध्वज सर्वमान्य नहीं हो पाया। 1917 में डा. एनी बेसेंट और लोकमान्य बाल गंगाधर तिलक द्वारा 'होमरूल आन्दोलन' चलाया गया था। उस समय एक नया राष्ट्रीय ध्वज तैयार किया गया, जिसमें लाल और हरे रंग की एक के बाद एक कुल 9 समानान्तर और तिरछी पट्टियां थीं। उस ध्वज के बीचों-बीच 7 तारे थे और

एक कोने में चांद व तारा अंकित थे जबकि उसके ऊपरी बायें कोने में ह्रस्वनिधन जैकह्न का चित्र (झंडे का चौथाई भाग) बनाया गया था। झंडे में यूनिउन जैक के इस चित्र को सम्मिलित किए जाने के कारण ही यह अधिकांश लोगों द्वारा नापसंद कर दिया गया क्योंकि इस चित्र को राष्ट्रीय ध्वज में स्थान देने का अर्थ अथै ही माना गया कि भारतीय समाज की ब्रिटिश सम्प्रभुता के प्रति स्वीकृति है। तब एक ऐसे ध्वज की आवश्यकता महसूस की गई, जो प्रत्येक धर्म, सम्प्रदाय और विचारधाराओं के लोगों का प्रतिनिधित्व करने के साथ देशवासियों के लिए जीवन-मरण का प्रतीक भी बन सके। 1921 में विजयवाड़ा में कांग्रेस के अधिवेशन में आंध्र प्रदेश के पिंगली वैक्का नामक क्रांतिकारी युवक ने महात्मा गांधी को एक ऐसा ध्वज भेंट किया, जिसमें लाल व हरे रंग की केवल दो पट्टियां थी लेकिन पंजाब के एक बुजुर्ग नेता रायजादा पंडित हंसराज ने गांधी जी को सुझाव दिया कि इस ध्वज में चरखे को भी अंकित किया जाए और तब गांधी जी ने यह सुझाव स्वीकारते हुए हिन्दुओं के लिए केसरिया रंग, मुस्लिमों के लिए हरा रंग तथा अन्य सम्प्रदायों के लिए ध्वज में सफेद रंग को भी शामिल किया। 31 दिसम्बर 1929 को रावी नदी के तट पर इसी तिरंगे को फहराते हुए पूर्ण स्वतंत्रता की मांग की गई थी। हालाँकि बहुत से लोगों

आतंकवाद और विश्वास, ये दोनों एक साथ नहीं चल सकते। यदि इस्लामाबाद यह सोचता है कि वह एक ओर आतंकियों को पालता रहेगा और दूसरी ओर जल समझौतों तथा वैश्विक संस्थाओं की आड़ लेकर भारत पर दबाव बनाएगा, तो यह उसकी सबसे बड़ी भूल है। भारत ने बार-बार संयम दिखाया है, लेकिन संयम को कमजोरी समझना पाकिस्तान की पुरानी आदत रही है। अब परिस्थितियां बदल चुकी हैं। भारत अपनी राष्ट्रीय सुरक्षा, जल हितों और संप्रभु अधिकारों से किसी प्रकार का समझौता करने वाला नहीं है। यदि पाकिस्तान वास्तव में क्षेत्र में शांति चाहता है तो उसे सबसे पहले अपनी धरती से संचालित सीमापार आतंकवाद की फैक्ट्रियों पर स्थायी ताला लगाना होगा। बहरहाल, पाकिस्तान के नीति-निर्माताओं के लिए यह घटनाक्रम स्पष्ट संदेश है। जो देश आज भारत का हिस्सा भी अपनी जेब से भरने को विवश है, उसे पहले अपनी अर्थव्यवस्था, अपने शासन और अपनी प्राथमिकताओं पर ध्यान देना चाहिए। भारत को धमकियों या अंतरराष्ट्रीय मंचों की कार्यवाहियों से झुकाया नहीं जा सकता। भारत की ओर से संदेश बिल्कुल स्पष्ट है कि यदि पाकिस्तान ने सीमापार आतंकवाद को हमेशा के लिए बंद नहीं किया, तो उसे केवल आर्थिक ही नहीं, कूटनीतिक, सामरिक और रणनीतिक स्तर पर भी और बड़ी कीमत चुकानी पड़ सकती है। शांति का मार्ग आतंकवाद छोड़ने से होकर जाता है, न कि दुनिया भर में शिकायतों का पुलिंदा लेकर घूमने से। समय रहते पाकिस्तान को यह सच्चाई स्वीकार करनी होगी, क्योंकि नया भारत अपनी सुरक्षा और अपने राष्ट्रीय हितों पर किसी भी प्रकार का समझौता करने के लिए तैयार नहीं है।

सामाजिक रिश्ते कमजोर पड़ रहे हैं और अकेलापन बढ़ता जा रहा है। मानसिक स्वास्थ्य पर खुलकर बात करने की जरूरत है। समाज में नशा मुक्ति अभियान को सामाजिक आंदोलन बनाना होगा। मानसिक अवसाद में जीने वाले लोगों को सामाजिक रूप से संबल देने की आवश्यकता है। हम सभी को अपने अंदर संवेदना के भाव को जागृत रखना होगा और इसे मानवीय कर्तव्य समझकर इसे अपने दैनिक जीवन में चरितार्थ करना होगा । प्रशासन को भी शहर के ऐसे सुनसान जगहों के साथ-साथ अस्पताल जैसे संवेदनशील जगहों पर सीसीटीवी निगरानी रखनी होगी ताकि बेसहारा एवं अज्ञात लोगों का सहेजान और पुनर्वास की व्यवस्था को सुदृढ़ किया जा सके। राजनीतिक और सामाजिक संगठनों, स्वयंसेवकों और आम नागरिकों को भी अपनी जिम्मेदारी का निर्वहन ईमानदारी पूर्वक करना होगा। हजारीबाग अपनी सामाजिक चेतना और मानवीय मूल्यों के प्रति संवेदना के लिए जाना जाता रहा है। ऐसी असामाजिक और अमानवीय घटनाओं पर अगर इसे महज खबर समझकर दमग्न करते रहें तो भविष्य में यह स्थिति और व्यापक हो सकती है। लावारिस अवस्था में मिले इन शवों की भी अपनी मीत की कहानी होते हैं जो समाज की असंवेदनाओं, व्यवस्था की कमियों और टूटते सामाजिक रिश्तों का मौन आडम्बा होते हैं। पिछले एक सप्ताह में हजारीबाग में मिले इन शवों में से कई शवों को करीब से देखेा तो यह एहसास मन में हुआ कि इसे शेयर किया जाय और इस पर सामाजिक रूप से चर्चा की जरूरत है अन्यथा अपने वाले समय में हम इंसान तो होंगे लेकिन समाज में वेदना, संवेदना और इंसानियत का भाव का घोर आभाव हो जायेगा और हम इंसान और जानवरों में कोई अंतर नहीं रह जाएगा।

को राष्ट्रीय ध्वज को जातियों व धर्म-सम्प्रदाय से जोड़ना उचित नहीं लगा, अतः 1931 में राष्ट्रीय ध्वज के स्वरूप के निर्धारण के लिए कराची कांग्रेस ने 7 व्यक्तियों की एक समिति बनाई और समिति ने एक ही रंग (केसरिया) के ध्वज में नीचे बायें ओर लाल रंग के चरखे का चिह्न अंकित करने का सुझाव दिया, जिसे अखिल भारतीय कांग्रेस कमेटी ने अस्वीकार कर दिया। तत्पश्चात पं. जवाहरलाल नेहरू के नेतृत्व में कांग्रेस के वरिष्ठ नेताओं की एक बैठक हुई और उस बैठक में तिरंगे ध्वज को ही बीच की सफेद पट्टी में चरखे सहित मान्यता प्रदान की गई और उस निर्णय को सर्वसम्मति से स्वीकार कर लिया गया लेकिन इसमें सबसे अहम बात यह रही कि तीनों पट्टियों के रंगों को धर्म-सम्प्रदायों से न जोड़कर उनके गुणों के आधार पर ही स्वीकार किया गया। इस ध्वज का आकार लम्बाई और चौड़ाई में 3:2 रखा गया। 1924 में आजादी के लिए संघर्षरत श्यामलाल गुप्त 'पाषांड' ने झंडा गीत 'विजयी विश्व तिरंगा प्यारा, झंडा ऊंचा रहे हमारा' की रचना की और महात्मा गांधी ने उस गीत के दूसरे और तीसरे भाग को हटाकर उसे ज्यों का त्यों स्वीकार कर लिया। वह गीत पहली बार कानपुर में 1925 में कांग्रेस सम्मेलन में सामूहिक रूप से गाया गया। बाद में नेताजी सुभाष चंद्र बोस ने भी इसे एक लाख लोगों के साथ गाया और देखते ही देखते यह गीत क्रांतिकारियों का सबसे लोकप्रिय गीत बन गया। चाहे कांग्रेस का कोई सम्मेलन हो, कोई प्रभात फेरी हो अथवा क्रांतिकारियों का कोई आन्दोलन, ऐसे हर अवसर पर ही झंडा गीत बड़े ही जोशिले अंदाज में गाया जाने लगा। स्वतंत्रता प्राप्ति के चंद दिनों पहले जब भारत के सम्मान और स्वाभिमान के प्रतीक स्वरूप स्वतंत्र भारत के लिए राष्ट्रीय ध्वज की चर्चा चली तो 1931 में सर्वसम्मति से स्वीकार किए गए ध्वज को ही पुनः राष्ट्र ध्वज के रूप में स्वीकार किया गया लेकिन 22 जुलाई 1947 को संविधान सभा की एक बैठक में पं. नेहरू ने चरखे के स्थान पर धर्मों की प्रगति, राष्ट्र के कानून और धर्म के पहिये के प्रतीक 24 तीलियों वाले अशोक चक्र को रखने का सुझाव दिया। संविधान सभा के सभी सदस्य इस सुझाव से सहमत हो गए और उसी दिन से राष्ट्रीय ध्वज को नए रूप में स्वीकार लिया गया। इस प्रकार हमारे राष्ट्रीय ध्वज को वर्तमान स्वरूप तक पहुंचने के लिए करीब 41 वर्षों का बहुत लंबा सफर तय करना पड़ा।



ज़िले में ग्राम स्तरीय सर्वे एवं सट्टा प्रदर्शन कार्यक्रम आयोजित

अमरोहा (सब का सपना):- आयुक्त, गन्ना एवं चीनी / निबंधक, सहकारी गन्ना विकास समितियाँ एवं चीनी मिल समितियाँ, उ.प्र. के निदेशों के अनुपालन में आगामी पेराई सत्र 2026-27 हेतु में 20 जुलाई से 30 अगस्त, 2026 तक "ग्राम स्तरीय सर्वे एवं सट्टा प्रदर्शन" कार्यक्रम आयोजित किया जाएगा जिला गन्ना अधिकारी, अमरोहा ने बताया कि यह कार्यक्रम जनपद कि समस्त सहकारी गन्ना विकास समितियाँ / चीनी मिल्स समिति क्षेत्र के समस्त ग्रामों में संचालित किया जाएगा। कार्यक्रम के दौरान गन्ना सर्वे से संबंधित विवरण का प्रदर्शन, कृषकों की आपत्तियाँ प्राप्त कर उनका निस्कारण तथा राजस्व अभिलेखों एवं घोषणा-पत्र के आधार पर गन्ना क्षेत्रफल का मिलान कराया जाएगा। जनपद के समस्त गन्ना कृषकों से अनुरोध किया गया है कि वे अपने सर्वे एवं सट्टा से संबंधित समस्त



विवरण, जैसे गन्ना क्षेत्रफल, गाटावार कृषि योग्य भूमि, मोबाइल नम्बर, आधार, बैंक खाता आदि का प्रदर्शन सूची से भली-भाँति मिलान कर लें। यदि किसी प्रकार की त्रुटि अथवा आपत्ति हो तो उसे प्रदर्शन अवधि के दौरान ही लिखित रूप में संबंधित प्रदर्शन कर्मी को उपलब्ध कराएँ। जिन कृषकों द्वारा अभी तक Caneup.in पर अथवा ई-गन्ना ऐप के माध्यम से ऑनलाइन घोषणा-पत्र

नहीं भरा गया है, वे निर्धारित अवधि में अपना घोषणा-पत्र अवश्य भर दें। विभागीय नियमानुसार घोषणा-पत्र न भरने वाले कृषकों का आगामी पेराई सत्र 2026-27 में सट्टा संचालन संभव नहीं होगा। नए कृषक 30 सितम्बर, 2026 तक गन्ना समिति की सदस्यता ग्रहण कर सकते हैं। इसके लिए भूलेख / राजस्व खतौनी, आधार कार्ड, मोबाइल नम्बर, बैंक पासबुक की छायाप्रति एवं फोटो

संबंधित गन्ना पर्यवेक्षक से सत्यापन कराने के उपरान्त समिति कार्यालय में निर्धारित शुल्क ड्रु221 जमा कर सदस्यता प्राप्त कर सकते हैं। इसके अतिरिक्त कृषकों को अवगत कराना है कि भारत सरकार द्वारा चलायी जा रही जन कल्याण योजनाएँ सामाजिक सुरक्षा योजनाओं, जैसे प्रधानमंत्री जीवन ज्योति बीमा योजना, अटल पेंशन योजना एवं प्रधानमंत्री सुरक्षा बीमा योजना का अधिक से अधिक कृषक प्रदर्शन कार्यक्रम में पंजीकृत कराके लाभबन्ति हों। जिला गन्ना अधिकारी ने जनपद के समस्त गन्ना कृषकों से अपील की है कि वे ग्राम स्तरीय सर्वे एवं सट्टा प्रदर्शन कार्यक्रम में अधिकाधिक संख्या में प्रतिभाग कर अपने अभिलेखों का सत्यापन कराएँ तथा आवश्यक होने पर अपनी आपत्तियाँ समय से दर्ज कराकर आगामी पेराई सत्र 2026-27 की तैयारियों में सहयोग प्रदान करें।

मंडी धनौरा में नगरीय एवं ग्रामीण विकास का ब्योरा जुटाने हेतु लेखपालों का प्रशिक्षण कार्यक्रम

16 अगस्त से 15 सितंबर तक जारी रहेगा अभियान

धनौरा/अमरोहा (सब का सपना):- जनपद के मंडी धनौरा में शहरी एवं ग्रामीण क्षेत्रों के विकास सुविधाओं का ब्योरा लेने के लिए लेखपालों का एक दिवसीय प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किया गया। आयोजित कार्यक्रम में तय किया गया कि एक विशेष अभियान के तहत 'नगर निर्देशिका' एवं 'ग्राम निर्देशिका' तैयार की जाएगी जो 16 अगस्त से शुरू होकर 15 सितंबर तक जारी रहेगी। बता दें कि प्रशिक्षण कार्यक्रम के दौरान मुख्य प्रशिक्षक व्यास नंदन ने उपस्थित अधिकारियों व कर्मचारियों को आंकड़े एकत्र करने और उन्हें डिजिटल प्लेटफॉर्म पर दर्ज करने की प्रक्रिया विस्तार से समझाई। उन्होंने बताया कि नगरीय



क्षेत्रों में 'टाउन ऑफिसर' और ग्रामीण क्षेत्रों में 'विलेज ऑफिसर' को यह जिम्मेदारी सौंपी गई है। एकत्रित की गई सभी सूचनाएं 'डीसीएचबी' के विशेष वेब पोर्टल पर अपलोड की जाएंगी। त्वार्ज ऑफिसर व तहसीलदार मूसराम थारु ने बताया

कि इस अभियान के तहत नगरों व गांवों में मौजूद आधारभूत संरचनाओं का पूरा ब्योरा दर्ज होगा। इसमें स्कूल, अस्पताल, चिकित्सीय व एंबुलेंस सुविधाएं, सामुदायिक शौचालय परिसर, बैंकिंग सेवाएं, सड़कें, परिवहन, संचार सुविधा, बाजार,

सार्वजनिक पुस्तकालय/वाचनालय, राशन दुकान, श्मशान व कब्रिस्तान तथा ग्राम प्रशासन एवं सार्वजनिक सेवा संस्थानों की स्थिति शामिल रहेगी। इस व्यवस्था से क्षेत्र के विकास कार्यों की सही तस्वीर सामने आ सकेगी। इस अवसर पर तहसीलदार मूसराम थारु, नायब तहसीलदार अजीत कुमार, नायब तहसीलदार राजपाल सिंह, राजस्व निरीक्षक धीरे सिंह, लेखपाल रमेश कुमार, विकास यादव, प्रदीप कुमार, सचिन सिद्ध, वैभव गुप्ता, मुजम्मिल हुसैन, अंकुर, अमित कुमार, आदर्श मांगट, सुमित यादव, तारेश राणा, सुमित सैनी और राजेश कुमार सहित कई अन्य कर्मचारी मौजूद रहे।

गंगेश्वरी ब्लाक प्रमुख ने सूरज सिंह खड़कबंशी के निधन पर जताया शोक

हसनपुर/अमरोहा (सब का सपना):- हसनपुर 42 विधानसभा क्षेत्र के ग्राम इकौदा निवासी सूरज सिंह खड़कबंशी के निधन की सूचना मिलने पर गंगेश्वरी ब्लाक प्रमुख राजेंद्र सिंह खड़कबंशी ने उनके आवास पहुंचकर भावपूर्ण श्रद्धांजलि अर्पित की। इस दौरान उन्होंने



शोकाकुल परिजनों से मिलकर अपनी गहरी संवेदनाएं व्यक्त कीं और परिवार को सांत्वना दी। राजेंद्र सिंह ने ईश्वर से प्रार्थना की कि दिवंगत पुण्य आत्मा को शांति एवं अपने श्री चरणों में स्थान प्राप्त हो। तथा शोकाकुल परिजनों को इस अथाह दुःख को सहन करने की शक्ति प्रदान करें।

केजी एकेडमी के बाहर से बाइक चोरी, सीसीटीवी में कैद हुआ चोर

हसनपुर/अमरोहा (सब का सपना):- जनपद के हसनपुर में बाईपास रोड स्थित केजी एकेडमी के बाहर से एक मोटरसाइकिल चोरी का मामला सामने आया है। कोचिंग पढ़ने गए छात्र की बाइक चोरी हो गई। ग्राम गुलामपुर निवासी दुर्वेश पुत्र राजपाल सिंह ने कोतवाली में दी तहरीर में बताया कि मंगलवार को दोपहर करीब 3:00 बजे वह केजी एकेडमी पढ़ने गया था। उसने अपनी



काले रंग की स्लेंडर बाइक नंबर DL 8 SLB 9393 कोचिंग के बाहर

खड़ी की थी। कुछ देर बाद जब वह बाहर आया तो बाइक गायब थी। कोचिंग के सीसीटीवी कैमरे खंगालने पर पता चला कि दोपहर 3:32 बजे एक व्यक्ति बाइक लेकर जाता हुआ दिखाई दे रहा है। पीड़ित ने पुलिस से बाइक चोरी की रिपोर्ट दर्ज कर कार्रवाई की मांग की है। पुलिस ने तहरीर के आधार पर जांच शुरू कर दी है।

CMO कार्यालय के संघ भवन में जन्मदिन पार्टी के नाम पर छलके जाम, फोटो-वीडियो वायरल

बिजनौर (सब का सपना):- जनपद के मुख्य चिकित्सा अधिकारी (CMO) कार्यालय परिसर में बने संघ भवन का एक वीडियो और कुछ तस्वीरें सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल हो रही हैं। आरोप है कि वरिष्ठ लिपिक चंदपांडे के जन्मदिन के नाम पर आयोजित पार्टी में कर्मचारियों ने खुलेआम शराब पी और जाम छलकाए। सरकारी कार्यालय परिसर में हुई इस कथित पार्टी को लेकर सवाल उठने लगे हैं। बताया जा रहा है कि CMO कार्यालय परिसर स्थित संघ भवन में



वरिष्ठ लिपिक चंदपांडे के जन्मदिन के अवसर पर पार्टी का आयोजन किया गया। वायरल फोटो और वीडियो में पार्टी के दौरान शराब

परोसे जाने और कर्मचारियों के जाम छलकाने का दावा किया जा रहा है। जानकारी के अनुसार, पार्टी में रेडक्रॉस सोसाइटी के अध्यक्ष टीकम

सिंह सिंगर, चेयरमैन रोबिन सिंह समेत कई कर्मचारी भी मौजूद थे। सोशल मीडिया पर वीडियो वायरल होने के बाद सरकारी कार्यालय की गरिमा और नियमों को लेकर सवाल खड़े हो गए हैं। फिलहाल इस वायरल वीडियो की स्वतंत्र रूप से पुष्टि नहीं हुई है और न ही स्वास्थ्य विभाग की ओर से इस संबंध में कोई आधिकारिक बयान जारी किया गया है। यदि वीडियो की पुष्टि होती है, तो मामले में विभागीय जांच और कार्रवाई की मांग तेज हो सकती है।

जिलाधिकारी से लगाई न्याय की गुहार, भूमि पर अवैध कब्जे का आरोप

बिजनौर (सब का सपना):- जनपद में एक परिवार ने अपनी पुश्तैनी जमीन पर अवैध कब्जे का आरोप लगाते हुए जिलाधिकारी से न्याय की गुहार लगाई है। पीड़ित परिवार ने आरोप लगाया कि दबंगों ने उनकी हिस्से की जमीन पर कब्जा कर निर्माण कर लिया है और विरोध करने पर जान से मारने की धमकी दी जा रही है। जनपद कलेक्ट्रेट पहुंचे बड़ापुर थाना क्षेत्र के ग्राम इस्लामाबाद निवासी परिवार ने जिलाधिकारी को शिकायती पत्र सौंपते हुए बताया कि उनकी पुश्तैनी



भूमि, गाटा संख्या 366 में उनका वैध हिस्सा है। आरोप है कि गांव के कुछ लोगों ने उनकी जमीन पर अवैध कब्जा कर पक्का निर्माण कर लिया

है और रास्ते पर भी अतिक्रमण कर दिया है। पीड़िता बलवंती देवी ने बताया कि उन्होंने पहले भी उजिलाधिकारी नगीना को प्रार्थना

पत्र दिया था, लेकिन कोई कार्रवाई नहीं हुई। आरोप है कि कब्जाधारी पक्ष विरोध करने पर गाली-गलौज और जान से मारने की धमकी देता है। पीड़ित परिवार ने जिलाधिकारी से मामले की निष्पक्ष जांच कराते हुए अवैध कब्जा हटाने, आरोपियों के खिलाफ मुकदमा दर्ज कराने तथा परिवार की सुरक्षा सुनिश्चित करने की मांग की है। फिलहाल जिला प्रशासन ने शिकायत प्राप्त कर मामले की जांच कर आवश्यक कार्रवाई का आश्वासन दिया है।

मछली के जाल में फंसा 8 फीट लंबा मगरमच्छ, वन विभाग ने सुरक्षित रेस्क्यू कर गंगा के आरक्षित क्षेत्र में छोड़ा

बिजनौर (सब का सपना):- जनपद के नांगल सोती थाना क्षेत्र के ग्राम कोट सराय में उस समय अफरा-तफरी मच गई, जब मछली पकड़ने के लिए लगाए गए जाल में करीब 8 फीट लंबा मगरमच्छ फंस गया। मगरमच्छ के जाल में फंसे होने की सूचना मिलते ही मौके पर बड़ी संख्या में ग्रामीणों को भीड़ जुट गई। ग्रामीणों ने तत्काल इसकी सूचना वन विभाग को दी। सूचना मिलते ही वन विभाग की टीम मौके पर पहुंची और काफी मशक्कत के बाद मगरमच्छ का सफलतापूर्वक रेस्क्यू किया। टीम ने मगरमच्छ को रिससों की सहायता से सुरक्षित बांधकर ट्रैक्टर-ट्रॉली में रखा और उसे गंगा के आरक्षित क्षेत्र में छोड़ दिया। वन विभाग के अधिकारियों ने बताया कि बरसत



के मौसम में नदियों, तालाबों और अन्य जलाशयों से मगरमच्छ आबादी वाले क्षेत्रों की ओर आ सकते हैं। ऐसे में लोगों को जलाशयों के आसपास विशेष

सावधानी बरतनी चाहिए और मगरमच्छ दिखाई देने पर उसे पकड़ने या छेड़ने का प्रयास न करते हुए तुरंत वन विभाग को सूचना देनी चाहिए। वन विभाग

की त्वरित कार्रवाई से मगरमच्छ को सुरक्षित उसके प्राकृतिक आवास में पहुंचा दिया गया, जिससे ग्रामीणों ने राहत की सांस ली।

अमरोहा (सब का सपना):- जनपद अमरोहा की जिला बेसिक शिक्षा अधिकारी डॉ. मोनिका ने मंगलवार को विकास खंड अमरोहा एवं गंगेश्वरी के विभिन्न विद्यालयों का औचक निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान कई गंभीर कमियों और अनियमितताओं का पता चला। कम्पोजिट विद्यालय उसकी में टीएलएम का प्रयोग नदारद पाया गया। छात्र-छात्राओं का शैक्षिक स्तर असंतोषजनक था। पिछले निरीक्षण में दिए गए सुधार के निदेशों की अनेदखी की गई। विद्यालय परिसर गंदा था, जर्जर भवन पर बैरिकेटिंग



नहीं थी, चहारदीवारी टूटी हुई थी और कक्षाओं में केवल एक-एक पंखा चल रहा था जबकि दो पंखे संचालित करने के स्पष्ट आदेश हैं। कम्पोजिट विद्यालय रापूर कक्षा में

भी टीएलएम का अभाव, साफ-सफाई की कमी, टूटे शौचालय और पानी की अनुपलब्धता मिली। एक समेकित शिक्षा अध्यापक एक वर्ष से बिना सूचना अनुपस्थित है, जिसकी जानकारी भी प्रधानाध्यापक ने नहीं दी। प्राथमिक एवं उच्च प्राथमिक विद्यालय नाजपुर खर्द पूर्णतः बंद पाए गए। दोपहर 12:15 बजे निरीक्षण के समय समस्त स्टाफ संकुल बैठक में चला

गया था। प्रधानाध्यापिका सड़क पर मिलीं। विभागीय नियमों के विपरीत किसी की अनुमति के बिना विद्यालय छोड़ने पर स्पष्टीकरण मांगा गया। गंगेश्वरी ब्लॉक के प्राथमिक विद्यालय नानई लिसड़ा, तरौली और जल्लोपुर-2 में वीडियो कॉल से जांच की गई। कई शिक्षक बिना सूचना अनुपस्थित पाए गए। डॉ. मोनिका ने सभी संबंधित प्रधानाध्यापकों को स्पष्टीकरण देने के निर्देश दिए हैं। यह निरीक्षण शिक्षा व्यवस्था में सुधार और जाबबदेही तय करने की दिशा में महत्वपूर्ण कदम माना जा रहा है।

जल्द रिहा होंगे गुरनाम सिंह चढ़ूनी, दिल्ली कूच के बीच हरियाणा सरकार ने मानी किसानों की दो मांगें

चंडीगढ़। किसान नेता सरवन सिंह पंथेर ने हरियाणा के कृषि मंत्री श्याम सिंह राणा के साथ बातचीत की। इस बैठक में अंबाला के डीसी भी मौजूद थे। मंत्री द्वारा किसानों का मांग पत्र लिया, जिसमें दो मुख्य मांगें थीं, जिन्हें पूरा करने का आश्वासन श्याम सिंह राणा की तरफ से दिया गया है। पहली मांग यह कि गुरनाम सिंह चढ़ूनी को रिहा किया जाए। दूसरी मांग कि केंद्र के कृषि मंत्री के साथ किसानों की बातचीत कराई जाए। हरियाणा के कृषि मंत्री श्याम सिंह राणा ने बताया कि सरकार ने दोनों मांगों को मानते हुए गुरनाम सिंह को जल्द रिहा करने और अगली एक हफ्ते के भीतर केंद्रीय मंत्री शिवराज सिंह चौहान से मुलाकात करवाने का आश्वासन दिया। किसान नेता सरवन सिंह पंथेर ने कहा कि हरियाणा के कृषि मंत्री ने हमारी मांगों का ज़ापन स्वीकार कर लिया; जब हमने उनसे केंद्रीय मंत्री शिवराज चौहान के साथ बैठक की व्यवस्था करने को कहा, तो उन्होंने कहा कि वे जल्द ही इंतजाम करेंगे। उन्होंने हमें भरोसा दिलाया कि उनका कार्यालय 8 से 10 दिनों के भीतर



बैठक की पुष्टि करते हुए हमें एक पत्र भेजा। बातचीत वहीं से आगे बढ़ेगी। मंगलवार को भारत-अमेरिका के बीच प्रस्तावित ट्रेड डील के खिलाफ पंजाब के किसान दिल्ली के लिए रवाना हुए। शंभू बॉर्डर पर भारी संख्या में पहुंचे किसानों को हरियाणा पुलिस ने रोक लिया। वहीं, सोमवार रात से ही किसान फतेहगढ़ साहिब और खनौरी में एकत्र होना शुरू हो गए थे।

मंगलवार सुबह छह बजे किसान मजदूर संघर्ष मोर्चा के संयोजक सरवन सिंह पंथेर की अनुवाई में किसान बरसों, जीप, मिनी बसों और निजी वाहनों से फतेहगढ़ साहिब से दिल्ली के लिए रवाना हुए थे। हरियाणा पुलिस ने सुबह साढ़े पांच बजे ही शंभू बॉर्डर पर हाईवे पर बैरिकेड लगा दोनों से तरफ से आवाजाही पूरी तरह बंद कर दी है।

पंथेर ने कहा कि किसान किसी तरह का टकराव नहीं चाहते। हरियाणा सरकार ने शंभू बॉर्डर बंद कर दिया है, जिससे आम जनता को परेशानी होगी, इसका खेद है। यदि शंभू बॉर्डर से आगे नहीं जाने दिया गया तो किसान यहीं सड़क पर शाम चार बजे तक शांतिपूर्ण धरना देंगे। जानिये, किस-किसको हिरासत में लिया कुरुक्षेत्र में पिहोवा से गुरनाम सिंह चढ़ूनी, शाहाबाद से राकेश बैस और कृष्ण कलाल माजरा को हिरासत में लिया गया। कैथल के पूंडरी में विक्रम कसाना, गुरनाम फरल, सिरसा के डबवाली से गुरमेल सिंह, भूपेंद्र सिंह वैदवाला को भी हिरासत में लिया गया।

किसान क्यों कर रहे विरोध? किसान भारत अमेरिका के बीच प्रस्तावित ट्रेड डील का विरोध कर रहे हैं। किसानों को आशंका है कि इस समझौते के बाद अमेरिका से सस्ते सोयाबीन, सूखे मेवे (ड्राय फ्रूट्स), डेयरी उत्पाद और अनाज भारतीय बाजारों में भरे जाएंगे, जिससे छोटे किसानों, मजदूरों और स्थानीय व्यापारियों को भारी नुकसान होगा।

मोहाली में बलौंगी पुल से ध्यान से गुजरें, एक्सपेंशन ज्वाइंट में आया बड़ा गैप; बारिश में हादसे का खतरा

मोहाली। शहर में बलौंगी जाने वाले पुल से ध्यान से गुजरें। यह अपील इसलिए है कि पुल के एक्सपेंशन ज्वाइंट में आया बड़ा गैप आ गया है, जिससे यहां से गुजरने वाले वाहन चालकों के लिए हादसे का खतरा बढ़ गया है। बारिश का सीजन होने की वजह से चिंता और भी बढ़ गई है। यह पुल मोहाली, बलौंगी और आसपास के क्षेत्रों को जोड़ने वाला महत्वपूर्ण मार्ग है। यहां से प्रतिदिन हजारों छोटे-बड़े वाहन गुजरते हैं। कार्यालय जाने वाले कर्मचारियों, स्कूली वाहनों और व्यावसायिक ट्रैफिक का भी इस मार्ग पर काफी दबाव रहता है। प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार पुल के एक हिस्से में ज्वाइंट खुलने के कारण वाहन गुजरते समय तेज झटका महसूस कर रहे हैं। लगातार बारिश के चलते गैप में पानी भर जाने से यह स्पष्ट दिखाई नहीं देता, जिससे वाहन चालक अचानक असंतुलित हो सकते हैं। खासकर रात के समय और तेज रफ्तार में गुजरने



वाले वाहनों के लिए यह स्थिति अधिक खतरनाक साबित हो सकती है। बारिश में पुल का यह हिस्सा गिरने का खतरा भी बना हुआ है। स्थानीय निवासियों का कहना है कि यदि समय रहते पुल की तकनीकी जांच कर आवश्यक मरम्मत नहीं कराई गई तो कोई बड़ा हादसा हो सकता है। लोगों ने मांग की है कि संबंधित विभाग मौक़े का निरीक्षण कर पुल की सुरक्षा सुनिश्चित करें और तब तक चेतावनी बोर्ड, बैरिकेडिंग तथा रिफ्लेक्टर लगाकर वाहन चालकों को

सतर्क किया जाए। उधर वाहन चालकों से अपील की गई है कि बलौंगी पुल से गुजरते समय गति नियंत्रित रखें, अन्य वाहनों से पर्याप्त दूरी बनाए रखें और विशेष सतर्कता बरतें। बारिश के कारण सड़क फिसलन भरी होने से जोखिम और बढ़ गया है। प्रशासन की ओर से पुल की स्थिति का जल्द निरीक्षण कर आवश्यक कदम उठाए जाने की उम्मीद जताई जा रही है, ताकि किसी भी संभावित दुर्घटना को समय रहते रोका जा सके।

NEET पेपर लीक और किसान आंदोलन पर बोलीं हरसिमरत कौर, केंद्र सरकार से की अपील

बठिंडा। नीट एग्जाम लीक मामले में दिल्ली में हो रहे प्रदर्शन के बीच पंजाब की बठिंडा विधानसभा सीट से सांसद हरसिमरत कौर की प्रतिक्रिया आई है। इसी के साथ उन्होंने पंजाब के किसानों के हित में भी बात कही। संसद के मानसून सत्र के दौरान पत्रकारों से बातचीत करते हुए हरसिमरत कौर ने कहा कि हमारे एजुकेशन सिस्टम में पेपर लीक और दूसरी दिक्कतें असंलियत हैं। नीट पेपर लीक, सीबीएसई का खराब ऑन-स्कूरी मार्किंग सिस्टम और खएए मेन्स परीक्षा कराने में तकनीकी गड़बड़ियां वे सब सच हैं। माता-पिता अपने बच्चों की पढ़ाई पर अपनी जिंदगी भर की कमाई खर्च कर रहे हैं और अगर यह सिस्टम उन्हें निराश करता है, तो यह चिंता की बात है। छात्रों के साथ बर्बरता गलत: हरसिमरत कौर बठिंडा से सांसद हरसिमरत ने कहा कि अपनी शिकायतें बताने के लिए संसद की ओर मार्च कर रहे छात्रों के साथ जो बर्बरता की गई, वह चौंकाने वाली है। वे हमारा भविष्य हैं। उनके साथ ऐसा बर्ताव नहीं किया जा सकता। मैं केंद्र सरकार से फिर अपील करती हूँ कि वह छात्रों के साथ सार्थक बातचीत करे और उन्हें अपनी सभी बातें रखने का मौक़ा दे, जिसमें संसद में अपनी बात रखना भी शामिल है। वहीं, भारत-अमेरिका के बीच ट्रेड डील के मामले में दिल्ली कूच कर रहे पंजाबों के किसानों को लेकर उन्होंने कहा कि हरियाणा बॉर्डर पर बैरिकेड लगाकर किसानों के किसानों को शांतिपूर्ण तरीके से राष्ट्रीय राजधानी तक मार्च करने और खेती से जुड़े भारत-अमेरिका ट्रेड डील के खिलाफ आवाज उठाने से रोकना निंदनीय है। मैं संसद के पिछले दो सत्रों में यह मुद्दा उठाती रही हूँ, लेकिन सरकार ने अभी तक इस पर कोई स्पष्ट जानकारी नहीं दी है। किसानों को लगता है कि इस डील से सस्ते कृषि आयात और डेयरी उत्पाद आएंगे, जिससे उन पर बुरा असर पड़ेगा। केंद्र सरकार को किसानों पर जोर-जबरदस्ती करने के बजाय उनसे बातचीत करनी चाहिए और उनकी शिकायतों का समाधान करना चाहिए।



शंभू बॉर्डर बंद होने से यातायात प्रभावित, पटियाला के राजपुरा में ट्रैफिक पुलिस ने जारी किए वैकल्पिक मार्ग
राजपुरा। शंभू बॉर्डर के बंद रहने के कारण आम जनता को भारी ट्रैफिक जाम और परेशानियों से बचाने के लिए राजपुरा ट्रैफिक पुलिस ने कमर कस ली है। ट्रैफिक पुलिस इंचार्ज गुर्वचन सिंह ने बताया कि सुविधा के लिए एक विस्तृत रूट मैप जारी किया है, जिससे लोग बिना किसी बाधा के अपने गंतव्य तक पहुंच सकें। अगर आप भी आने वाले दिनों में राजपुरा, पटियाला या अंबाला से दिल्ली या लुधियाना की तरफ सफ़र करने की सोच रहे हैं, तो ट्रैफिक पुलिस द्वारा बताए गए इन वैकल्पिक मार्गों का उपयोग कर सकते हैं: दिल्ली जाने के लिए वैकल्पिक मार्ग पहला विकल्प (राजपुरा से): राजपुरा से दिल्ली जाने वाले लोग गगन चौक से वाया जीरकपुर-डेरारहसी के रास्ते दिल्ली जा सकते हैं। दूसरा विकल्प (राजपुरा से): यात्री राजपुरा से गांव भोगला, जनद मंगोली, पीपल मंगोली के रास्ते अंबाला और फिर आगे दिल्ली की ओर निकल सकते हैं। पटियाला से दिल्ली के लिए: यदि किसी यात्री को पटियाला से दिल्ली जाना है, तो वह बहादुरगढ़ से वाया घनौर, कपूरुी के रास्ते अंबाला और दिल्ली जा सकते हैं। अंबाला से आने और जाने के लिए मार्ग अंबाला से पटियाला/राजपुरा की तरफ: अंबाला से आने वाले वाहन चालक कपूरुी और घनौर के रास्ते आसानी से पटियाला और राजपुरा पहुंच सकते हैं। अंबाला से लुधियाना की तरफ (दूसरा विकल्प): अंबाला से लुधियाना जाने वाले यात्री वाया डेरारहसी, बड़ौद और लांडरा के रास्ते का इस्तेमाल कर सकते हैं। यात्रियों के लिए सलाह: ट्रैफिक पुलिस ने लोगों से अपील की है कि वे अपनी यात्रा शुरू करने से पहले इन वैकल्पिक रूटों को ध्यान में रखें ताकि रास्ते में किसी प्रकार की असुविधा का सामना न करना पड़े।



बरनाला में पुलिस मुठभेड़: बदमाशों ने पुलिस पर की फायरिंग, दो गिरफ्तार; दो अवैध पिस्तौल बरामद
बरनाला पुलिस ने मंगलवार तड़के एक बड़ी कार्रवाई करते हुए पुलिस पार्टी पर फायरिंग करने वाले दो आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया। आरोपियों के कब्जे से दो अवैध पिस्तौल बरामद किए गए हैं। मंगलवार सुबह करीब 5:30 बजे थाना महलकलां के प्रभारी इंस्पेक्टर कुलविंदर सिंह ने पुलिस टीम के साथ पहले से मिली गुप्त सूचना के आधार पर पुराने टोल प्लाजा के पास नाकाबंदी की हुई थी। इसी दौरान महलकलां की ओर से आ रही एक वरना कार को रुकने का इशारा किया गया। पुलिस के अनुसार, कार में सवार युवक ने वाहन रोकने के बजाय पुलिस पार्टी पर फायरिंग कर दी। पुलिस ने बैरिकेड लगाकर वाहन को रोकने की कोशिश की, लेकिन चालक कार को दाईं ओर मोड़कर भागने लगा। इस दौरान कार अनियंत्रित होकर खाई में जा गिरी। इसके बाद भी आरोपियों ने पुलिस पर दोबारा फायरिंग की। पुलिस ने आत्मरक्षा में कार्रवाई करते हुए दोनों आरोपियों को काबू कर लिया। गिरफ्तार आरोपियों की पहचान अरशदीप सिंह निवासी गांव बख्सागढ़ और गुरशरण सिंह निवासी गांव निहाल सिंह वाला, जिला मोगा के रूप में हुई है। तलाशी के दौरान उनके कब्जे से एक 30 बोर पिस्तौल और एक 32बोर पिस्तौल बरामद की गई। प्रारंभिक जांच में सामने आया है कि अरशदीप सिंह पहले से बरनाला पुलिस को कई अपराधिक मामलों में भण्डाड़ा घोषित है। पुलिस के अनुसार, वह क्षेत्र का सक्रिय गैंगस्टर माना जाता है। पुलिस ने दोनों आरोपियों के खिलाफ मामला दर्ज कर आगे की जांच शुरू कर दी है। अधिकारियों का कहना है कि यह कार्रवाई जिले में अपराध और गैंगस्टर गतिविधियों के खिलाफ चलाए जा रहे अभियान के तहत एक बड़ी सफलता है।

किसानों का दिल्ली कूच आंदोलन टला, शंभू बॉर्डर से छंटने लगी भीड़; गुरनाम सिंह चढ़ूनी हुए रिहा

अंबाला। पंजाब-हरियाणा सीमा पर जारी किसान आंदोलन के बीच हरियाणा पुलिस ने किसान नेता गुरनाम सिंह को रिहा कर दिया है। वहीं, सीमा पर तेनात किसान शंभू बॉर्डर से वापस लौटने लगे हैं। भारतीय किसान यूनियन (चढ़ूनी) के राष्ट्रीय अध्यक्ष गुरनाम सिंह चढ़ूनी को पुलिस ने सोमवार को हिरासत में लिया था। आज उन्हें रिहा कर दिया है। उनकी रिहाई के साथ ही किसानों का हौसला और बुलंद नजर आ रहा है। दिल्ली कूच को आगे बढ़े किसान इसी बीच, मंगलवार को अपनी मांगों को लेकर शंभू बॉर्डर पर सैकड़ों की तादाद में किसान एक बार फिर से इकठ्ठा हुए और सरकार के खिलाफ विरोध जताया। बॉर्डर पर बढ़ते तनाव और किसानों के जमावड़े को देखते हुए हरियाणा सरकार भी हरकत में आई



है। हरियाणा के कृषि मंत्री श्याम सिंह राणा ने किसान नेता सरवन सिंह पंथेर के साथ मुलाकात की और उनके साथ अहम मुद्दों पर बातचीत की। इस बीच दो मांगों को माना गया। पहली गुरनाम सिंह चढ़ूनी को रिहा करना और दूसरी केंद्रीय कृषि मंत्री से मुलाकात। क्या बोले किसान नेता पंथेर? वहीं, इस पर किसान नेता

सरवन सिंह पंथेर ने कहा कि बैठक का नतीजा बाद की बात है। दूसरी बात, हमने सभी किसान नेताओं और किसानों को रिहाई की मांग की। अधिकारियों ने कहा कि मुख्यमंत्री से सलाह-मशविरा करने के बाद वे गुरनाम सिंह चढ़ूनी और बीएफ सिंह को रिहा कर देंगे। शंभू बॉर्डर पर किसानों के विरोध-प्रदर्शन के बारे में

फाजिल्का अध्यक्ष और अबोहर मेयर चुनाव को लेकर सियासी हलचल तेज, सुरक्षा के कड़े इंतजाम; भाजपा नेता पहुंचे

फाजिल्का। फाजिल्का नगर परिषद अध्यक्ष और अबोहर नगर निगम मेयर के चुनाव से पहले मंगलवार को राजनीतिक गतिविधियां चरम पर पहुंच गईं। चुनाव से कई घंटे पहले ही जिला प्रशासनिक परिसर और नगर परिषद कार्यालय के आसपास सुरक्षा व्यवस्था कड़ी कर दी गई। डीसी कार्यालय के बाहर भारी संख्या में पुलिस बल तैनात किया गया है तथा बैरिकेडिंग कर आम लोगों की आवाजाही नियंत्रित की गई है। दूसरी ओर भाजपा पूर्व प्रदेश अध्यक्ष सुनील जाखड़ और अबोहर के विधायक संदीप जाखड़ भाजपा पार्षदों के साथ डीसी कार्यालय पहुंच गए और पार्षद अंदर बैठक के लिए चले गए हैं। इसके अलावा दूसरी पार्टियों के पार्षद भी पहुंचने लगे हैं हालांकि अंतिम फैसला दोपहर बाद होने वाले मतदान और मतगणना के



बाद ही सामने आएगा। उधर पंजाब एवं हरियाणा हाईकोर्ट के निदेशों के तहत चुनाव को लेकर सुबह से ही डीसी कार्यालय और नगर परिषद कार्यालय के बाहर पुलिस के कड़े सुरक्षा प्रबंध किए गए हैं। किसी भी अप्रिय स्थिति से निपटने के लिए बड़ी संख्या में पुलिस कर्मियों की तैनाती की गई है, जबकि प्रवेश मार्गों पर बैरिकेडिंग कर सुरक्षा जांच के बाद

ही लोगों को अंदर जाने दिया जा रहा है। अबोहर नगर निगम मेयर का चुनाव दोपहर 3 बजे डीसी कार्यालय में होगा, जबकि फाजिल्का नगर परिषद अध्यक्ष का चुनाव दोपहर 2:15 बजे नगर परिषद कार्यालय में कराया जाएगा। दोनों चुनाव पंजाब एवं हरियाणा हाईकोर्ट द्वारा नियुक्त ऑब्जर्वर वरिष्ठ अधिकृत संदीप गोयल की निगरानी में संपन्न होंगे।

बारिश में कूड़े से महामारी का खतरा: सफाई कर्मचारियों की हड़ताल पर हाईकोर्ट सख्त, सभी नगर निकायों से मांगा जवाब

पंजाब : पंजाब में सफाई कर्मचारियों की हड़ताल से पैदा हुए सफाई संकट पर पंजाब एवं हरियाणा हाईकोर्ट ने कड़ा खूब अपनाया है। अदालत ने कहा कि मानसून के दौरान समय पर कूड़े और गंदगी का निपटारा नहीं हुआ तो महामारी फैलने का खतरा पैदा हो सकता है। हाईकोर्ट ने राज्य सरकार को 22 जुलाई तक सभी नगर परिषदों और नगर निकायों की सफाई व्यवस्था पर विस्तृत हलफनामा दाखिल करने का दावा किया है। आरोपियों के कब्जे से इम्प्रोवाइज्ड एक्सप्लोसिव डिवाइस (बमूड), विस्फोटक सामग्री, एक इलेक्ट्रॉनिक डेटोनेटर तथा मैगजीन सहित 9 मिमी ग्लॉक पिस्तौल बरामद की गई है। आईजी फरीदकोट रेंज नीलांबरी जगदले विजय ने बताया कि 8 जुलाई की सुबह मोगा सदर थाना परिसर में ग्रेनेड विस्फोट हुआ था। घटना के तुरंत बाद पुलिस ने भारतीय न्याय संहिता की धारा 326(ए), एक्सप्लोसिव सबस्टेंस एक्ट की धारा 3 और 6 तथा प्रिवेंशन ऑफ डैमेज टू पब्लिक प्रॉपर्टी एक्ट की धारा 4 के तहत मामला दर्ज किया। इसके बाद मोगा पुलिस की 10 टीमें, तकनीकी विशेषज्ञों और खुफिया एजेंसियों ने संयुक्त पेशे से जांच शुरू कर पूरे नेटवर्क का पदांश किया। जांच में सामने आया कि इस वारदात

के मुख्य आरोपी गगन उर्फ काली, राजेश और शुभम, जो फिरोजपुर के रहने वाले हैं, ने मिलकर इस हमले को अंजाम दिया। पुलिस के अनुसार गगन उर्फ काली ने ग्रेनेड फेंका, जबकि एक आरोपी घटना का वीडियो बना रहा था और तीसरा मोटरसाइकिल पर मौजूद था। तीनों आरोपियों को फिरोजपुर से गिरफ्तार कर पूछताछ की गई, जिसमें लाजर उर्फ अमन का नाम सामने आया। पुलिस ने लाजर उर्फ अमन को गिरफ्तार कर उसके कब्जे से बमूड विस्फोटक सामग्री, इलेक्ट्रॉनिक डेटोनेटर तथा 9 मिमी ग्लॉक पिस्तौल बरामद की। पूछताछ में यह भी सामने आया कि लाजर की सोशल मीडिया के माध्यम से विदेश में बैठे इकबाल उर्फ रवि धालीवाल से बातचीत हुई थी। पुलिस के अनुसार पैसों का लालच देकर इस पूरी साजिश को अंजाम देने की योजना बनाई गई थी। जांच में यह भी खुलासा हुआ कि जम्मू-त्वती ट्रेन को उड़ाने की साजिश भी रची गई थी, जिसे पुलिस ने समय रहते विफल कर दिया। प्रारंभिक जांच के अनुसार बरामद हथियार और



हैं। हाईकोर्ट ने अतिरिक्त महाधिवक्ता को निर्देश दिया कि अगली सुनवाई से पहले सभी नगर निकायों का विस्तृत हलफनामा दाखिल किया जाए। इसमें हड़ताल के दौरान किए

गए वैकल्पिक इंतजामों का पूरा ब्योरा हो। याचिकाकर्ताओं ने आरोप लगाया कि सरकार सफाई व्यवस्था बनाए रखने और आकस्मिक योजना लागू करने में विफल रही।

पंजाब में आतंकी साजिश नाकाम: मोगा थाना ग्रेनेड हमले के 17 आरोपी काबू, पैसों का लालच देकर करवाया था काम

मोगा के सदर थाना परिसर में आठ जुलाई की सुबह हुए ग्रेनेड हमले के मामले में मोगा पुलिस को बड़ी सफलता मिली है। पुलिस ने इस मामले में अब तक कुल 17 आरोपियों को गिरफ्तार कर एक बड़ी आतंकी साजिश को नाकाम करने का दावा किया है। आरोपियों के कब्जे से इम्प्रोवाइज्ड एक्सप्लोसिव डिवाइस (बमूड), विस्फोटक सामग्री, एक इलेक्ट्रॉनिक डेटोनेटर तथा मैगजीन सहित 9 मिमी ग्लॉक पिस्तौल बरामद की गई है। आईजी फरीदकोट रेंज नीलांबरी जगदले विजय ने बताया कि 8 जुलाई की सुबह मोगा सदर थाना परिसर में ग्रेनेड विस्फोट हुआ था। घटना के तुरंत बाद पुलिस ने भारतीय न्याय संहिता की धारा 326(ए), एक्सप्लोसिव सबस्टेंस एक्ट की धारा 3 और 6 तथा प्रिवेंशन ऑफ डैमेज टू पब्लिक प्रॉपर्टी एक्ट की धारा 4 के तहत मामला दर्ज किया। इसके बाद मोगा पुलिस की 10 टीमें, तकनीकी विशेषज्ञों और खुफिया एजेंसियों ने संयुक्त पेशे से जांच शुरू कर पूरे नेटवर्क का पदांश किया। जांच में सामने आया कि इस वारदात

के मुख्य आरोपी गगन उर्फ काली, राजेश और शुभम, जो फिरोजपुर के रहने वाले हैं, ने मिलकर इस हमले को अंजाम दिया। पुलिस के अनुसार गगन उर्फ काली ने ग्रेनेड फेंका, जबकि एक आरोपी घटना का वीडियो बना रहा था और तीसरा मोटरसाइकिल पर मौजूद था। तीनों आरोपियों को फिरोजपुर से गिरफ्तार कर पूछताछ की गई, जिसमें लाजर उर्फ अमन का नाम सामने आया। पुलिस ने लाजर उर्फ अमन को गिरफ्तार कर उसके कब्जे से बमूड विस्फोटक सामग्री, इलेक्ट्रॉनिक डेटोनेटर तथा 9 मिमी ग्लॉक पिस्तौल बरामद की। पूछताछ में यह भी सामने आया कि लाजर की सोशल मीडिया के माध्यम से विदेश में बैठे इकबाल उर्फ रवि धालीवाल से बातचीत हुई थी। पुलिस के अनुसार पैसों का लालच देकर इस पूरी साजिश को अंजाम देने की योजना बनाई गई थी। जांच में यह भी खुलासा हुआ कि जम्मू-त्वती ट्रेन को उड़ाने की साजिश भी रची गई थी, जिसे पुलिस ने समय रहते विफल कर दिया। प्रारंभिक जांच के अनुसार बरामद हथियार और

विस्फोटक सामग्री पाकिस्तान के रास्ते अमृतसर रूरल और जलालाबाद बॉर्डर के रास्ते डीएलबी के जरिए भारत पहुंचाई गई थी। विदेश में बैठे इकबाल उर्फ रबी धालीवाल के अन्य नेटवर्क और संपर्कों की जांच अभी जारी है। धालीवाल की महिला दोस्त ने भी की मदद पुलिस ने बताया कि आरोपियों के कुछ रिश्तेदारों की भी इस साजिश में भूमिका सामने आई है। इकबाल उर्फ रवि धालीवाल की सहेली कुलजीत कौर ने भी पैसा और पिस्टल लाने में मदद की थी। अब तक इस मामले में कुल 17 आरोपियों को गिरफ्तार किया जा चुका है। जांच में यह भी सामने आया कि लाजर उर्फ अमन हलवाई का काम करता था, जबकि गगन उर्फ काली, राजेश और शुभम मजदूरी करते थे। पुलिस का कहना है कि इन सभी को पैसों का लालच देकर इस आतंकी गतिविधि में शामिल किया गया। इसके अलावा, सदर थाना ग्रेनेड हमले की जिम्मेदारी पाकिस्तान भी रची गई थी, जिसे पुलिस ने समय रहते विफल कर दिया। प्रारंभिक जांच के अनुसार बरामद हथियार और



की भी गंभीरता से जांच कर रही है। मामले में गिरफ्तार आरोपियों पर चूफपीए की धारा 16, 17, 18, 20, 38 और 40, इटर की धारा 109, 111 और 113, तथा एक्सप्लोसिव सबस्टेंस एक्ट की धारा 4 और 5 भी जोड़ दी गई हैं। फिलहाल सभी आरोपियों से पूछताछ जारी है और पुलिस का कहना है कि जांच आगे बढ़ने के साथ इस मामले में और भी बड़े खुलासे होने की संभावना है। मोगा पुलिस का दावा है कि उसने समय रहते एक बड़ी आतंकी साजिश को विफल कर दिया है।

दिल्ली कूच कर रहे भाकियू महाशक्ति के किसानों को पुलिस ने रोका, सौंपा ज़ापन



बुलन्दशहर (सब का सपना):- भारत-अमेरिका ट्रेड डील के विरोध में भाकियू महाशक्ति के राष्ट्रीय अध्यक्ष ठाकुर धर्मेन्द्र सिंह व जिला अध्यक्ष चौधरी जितेंद्र सिरौही के नेतृत्व में सैकड़ों किसान कार्यकर्ता दिल्ली स्थित किसान घाट के लिए रवाना हुए। आरोप है कि रास्ते में भारी पुलिस बल ने किसानों को रोक दिया और आगे नहीं जाने दिया। इसके बाद किसानों ने प्रधानमंत्री के नाम संबोधित ज़ापन पुलिस अधिकारियों को सौंपा। राष्ट्रीय अध्यक्ष ठाकुर धर्मेन्द्र सिंह ने आरोप लगाया कि सरकार किसानों की आवाज दबाने का प्रयास कर रही है। उन्होंने कहा कि विभिन्न किसान संगठनों के पदाधिकारियों से चर्चा कर आगे की रणनीति तय की जाएगी। इस दौरान विष्णु दत्त त्यागी, सनी शर्मा, चंचल शर्मा, चौधरी चंद्रवीर सिंह, चौधरी नरेश प्रधान, कैप्टन विक्रम सिंह, बंटी सिंह लोधी सहित बड़ी संख्या में किसान कार्यकर्ता मौजूद रहे।

रोजगार मेले में युवाओं का दिखा उत्साह, जमा किए गए आवेदन

खुर्गो, बुलंदशहर (सब का सपना):- क्षेत्र में उत्तर प्रदेश रोजगार मिशन की पहल पर जिला रोजगार कार्यालय और मॉडल करियर सेंटर द्वारा कंपस प्लेसमेंट का आयोजन किया गया ' इस अवसर पर युवाओं ने आवेदन जमा किए और साक्षात्कार भी दिए ' क्षेत्र स्थित गांव नगला सेखू स्थित श्री लक्ष्मी नारायण शर्मा प्राइवेट आईटीआई परिसर में आयोजित इस मेले में बड़ी संख्या में युवा पहुंचे ' सुबह 11:00 बजे से शुरू हुए कार्यक्रम में आईटीआई पास और शिक्षित युवाओं ने अपने भविष्य के लिए सक्रियता से भाग लिया ' मेले में 210 विभिन्न पदों पर सीधी भर्ती के अवसर उपलब्ध कराये गये थे ' उम्मीदवारों ने कंपनियों के स्टालों पर जाकर आवेदन किया और प्रतिनिधियों से संवाद किया ' इस रोजगार मेले में सीबीएस रिस्क स्कोप प्राइवेट लिमिटेड, कजरिया सैरमिक्स लिमिटेड, विशाल पापप लिमिटेड, और लेखरो सर्विसेज प्राइवेट लिमिटेड जैसी कंपनियां शामिल थीं ' इस अवसर पर जिला रोजगार अधिकारी ने बताया कि युवाओं को उनके घर के पास रोजगार के साधन उपलब्ध कराने के उद्देश्य से कंपस प्लेसमेंट का आयोजन निरवमित रूप से किया जा रहा है

गैर समुदाय के युवक ने बाग में लेजाकर विधवा महिला से किया दुष्कर्म

वृगरासी /बुलंदशहर (सब काम सपना):- थाना नरसेना क्षेत्र में गांव से लौट रही विधवा महिला से दुष्कर्म का मामला सामने आया है। जानकारी के अनुसार क्षेत्र के एक गांव निवासी महिला को गैर समुदाय का युवक गुमराह कर आम के बाग में ले गया, आरोप है कि वहां उसने महिला से दुष्कर्म किया। वहीं खेतों में पानी लगा रहे किसानों ने आरोपी को पकड़कर पुलिस के हवाले कर दिया। स्थानीय पुलिस ने दुष्कर्म की जगह छेड़छाड़ का मामला दर्ज किया है। जिसको लेकर बजरंग दल कार्यकर्ता ने थाने पर हंगामा किया। थाना नरसेना के एक गांव निवासी महिला अपने गांव से शादी की सालगिरह में शामिल होने आई थी। रविवार देर शाम वह ससुराल लौट रही थी। आरोप है कि नरसेना नहर पुल पर किसी वाहन का इंतजार करते समय क्षेत्र निवासी एक गैर समुदाय का युवक वहां पहुंचा और उसे गांव छोड़ने की बात कहकर अपने साथ ले गया और उसे एक आम के बाग में लेजाकर दुष्कर्म किया। महिला के शोर मचाने पर खेतों में पानी लगा रहे किसानों ने उसे पकड़ लिया और पुलिस के हवाले कर दिया। आरोप है कि पुलिस ने महिला से छेड़छाड़ की तहरीर लिखवा कर, मामला छेड़छाड़ में दर्ज कर दिया। सूचना मिलने पर बजरंग दल के कार्यकर्ताओं ने थाने पर जमकर हंगामा किया। एस ओ नरसेना रामकिशोर गौतम ने बताया कि घटना होने से पहले ही ग्रामीणों ने आरोपी को पकड़कर पुलिस को सौंप दिया था, महिला की तहरीर के आधार पर छेड़छाड़ का मुकदमा दर्ज कर मामले की जांच पड़ताल शुरू कर दी है।

जैमर लगा, चादर तानी और वांगचुक अस्पताल में... दिल्ली पुलिस के नए कप्तान आते ही 30 सेकेंड में उठाए गए सोनम वांगचुक



दिल्ली पुलिस आयुक्त सतीश गोलछा की विदाई को सोनम वांगचुक के जंतर-मंतर पर अनशन और संसद कूच के एलान से जोड़ा जा रहा है, जिसमें पुलिस की शुरुआती ढिलाई को मुख्य कारण माना गया। दिल्ली पुलिस आयुक्त पद से सतीश गोलछा की विदाई को जंतर मंतर पर 20 जून को कांकोरज जनता पार्टी द्वारा प्रदर्शन और फिर 28 जून से लद्दाख के सामाजिक कार्यकर्ता सोनम वांगचुक के अनशन से जोड़कर देखा जा रहा है। पुलिस महकमे में शुक्रवार को नाटकीय घटनाक्रम के बाद गोलछा की विदाई के पीछे इसे प्रमुख कारण माना जा रहा है। शनिवार सुबह जिस तरह से सोनम वांगचुक को पुलिस ने रणनीति बनाकर उठाया और सफदरजंग अस्पताल में भर्ती करा दिया, इसने भी इस कथას को बल दे दिया है। माना जा रहा है कि शनिवार को की गई कार्रवाई नए पुलिस आयुक्त अनुराग कुमार के निर्देश पर ही की गई। हालांकि पुलिस अधिकारी वांगचुक की तबीयत का हवाला देकर उन्हें अस्पताल में भर्ती कराने की बात कह रहे हैं। जंतर-मंतर पर वैसे तो बीएनएस की धारा-163 (चार से अधिक लोगों के एक जगह एकत्रित होने पर पाबंदी) लागू रहती है। इसी वजह से यहां लोगों को प्रदर्शन की अनुमति नहीं मिलती है। लेकिन 20 जून को सीजेपी के एकदिवसीय प्रदर्शन को पुलिस ने अनुमति दे दी। पेपर लोक मामले को लेकर सीजेपी ने अगले दिन से बिना अनुमति प्रदर्शन शुरू कर दिया। लेकिन प्रदर्शनस्थल पर समर्थकों की संख्या काफी सीमित थी। संभवतः पुलिस अधिकारी यह मानकर चल रहे थे कि धीरे-धीरे ये प्रदर्शन खत्म हो जाएगा। लेकिन आठ दिन बाद सोनम वांगचुक इसी स्थल पर अनशन पर बैठ गए। सीजेपी के संस्थापक पीछे हो गए और वांगचुक का चेहरा आगे आ गया। शुरुआत में वहां कार्यकर्ताओं की संख्या कम देख पुलिस ने शिथिलता बरती। लेकिन इसी दौरान वांगचुक ने 20 जुलाई को संसद कूच का एलान कर दिया। इसी दिन सांझ को धामनू नूत्र शुरू होना है। इसके बाद पिछले तीन-चार दिनों से यहां हलचल बढ़ गई। तमिलनाडु के मुख्यमंत्री सी. विजय, दिल्ली के पूर्व सीएम व आप संयोजक अरविंद केजरीवाल और सपा सांसद डिंपल यादव के अलावा सांसद चंद्रशेखर, अभिनेत्री स्वरा भास्कर सहित कई हस्तगत यहां पहुंचने लगी थीं। इससे प्रदर्शनकारियों में उत्साह बढ़ने लगी लेकिन पुलिस की तरफ से इन्हें हटाने की कोई कवायद नहीं हुई। विपक्षी पार्टियों के नेताओं के जमघट से यह आशंका प्रबल हो गई कि वे सोनम वांगचुक के संसद कूच को भूनाने में कोई कसर नहीं छोड़ेंगे। ऐसे में ही सरकार के स्तर पर सतीश गोलछा को हटाने पर सहमति बन गई। उन्हें उपराज्यपाल कार्यालय से संबद्ध करना यह बताया है कि उन्हें हटाने की प्रक्रिया सामान्य नहीं थी। उनके खिलाफ नाराजगी थी। हालांकि पुलिस महकमे में ही एक वर्ग ऐसा है जो इस कार्रवाई को थानाप्रभारियों की तैनाती से भी जोड़कर देख रहा है।

राहुल गांधी से मिलने पहुंचे केन्द्रीय मंत्री जितेंद्र सिंह, पुलिस ने कन्हैया कुमार सहित कई नेताओं को हिरासत में लिया

नई दिल्ली। केन्द्रीय मंत्री जितेंद्र सिंह पीएम आवास के पास धरने पर बैठे राहुल गांधी से मिलने पहुंचे हैं। वह उनसे बातचीत कर रहे हैं। वहीं, पुलिस ने कन्हैया कुमार, चरणजीत सिंह चन्नी, के. सुरेश सहित कई कांग्रेस नेताओं को हिरासत में लिया है। कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे, राहुल गांधी और प्रियंका गांधी वाड़ा समेत कई वरिष्ठ नेताओं ने प्रधानमंत्री आवास के पास प्रदर्शन किया। उन्होंने युवा छात्रों पर हुए कथित अत्याचारों के लिए पीएम मोदी और शिक्षा मंत्री धर्मेन्द्र प्रधान के इस्तीफे की मांग की, जिसके बाद पुलिस ने कार्यकर्ताओं को हिरासत में लिया। इससे पहले, कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे, लोकसभा विपक्ष के नेता राहुल गांधी, प्रियंका गांधी वाड़ा, केसी वेणुगोपाल, पवन खेड़ा समेत कई वरिष्ठ नेताओं ने लोक कल्याण मार्ग पर प्रधानमंत्री आवास के निकट प्रदर्शन किया। उन्होंने युवा छात्रों पर हुए कथित अत्याचारों के लिए प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और

शिक्षा मंत्री धर्मेन्द्र प्रधान के इस्तीफे की मांग की। वहीं, पुलिस ने नारेबाजी कर रहे कांग्रेस कार्यकर्ताओं को हिरासत में लिया। राहुल गांधी ने एक्स पर पोस्ट किया राहुल गांधी ने ट्वीट कर कहा, "हम कल छात्रों के खिलाफ हुई बर्बरताओं का जवाब मांगने प्रधानमंत्री मोदी के घर तक मार्च निकालकर आए हैं। सरकार न तो जवाबदेही लेना चाहती है और न ही संसद में इस मुद्दे पर बहस करना चाहती है।" उन्होंने पीएम और गृह मंत्री से इस्तीफा देने की मांग की और कहा कि सरकार भारत के युवाओं के भविष्य को बर्बाद कर रही है। पुलिस ने कांग्रेस कार्यकर्ताओं को हिरासत में लिया वहीं, पुलिस नारेबाजी कर रहे कांग्रेस के कार्यकर्ताओं को हिरासत में ले रही है। कांग्रेस नेताओं का आरोप है कि सरकार छात्रों की समस्याओं पर कोई जवाबदेही नहीं ले रही है और संसद में चर्चा से बच रही है। इस प्रदर्शन के जरिए विपक्ष ने केंद्र सरकार पर युवाओं के भविष्य को लेकर लापरवाही बरतने



का आरोप लगाया है। बीजेपी छात्रों की बात नहीं सुनते।" चन्नी भी प्रदर्शनकारियों में नहीं सुनते: चरणजीत सिंह चन्नी पुलिस कांग्रेस नेताओं को भी हिरासत में ले रही है। हिरासत में लिए जाने पर पंजाब कांग्रेस कैपेन कमेटी के चेयरमैन चरणजीत सिंह चन्नी ने कहा, "यह बीजेपी का आतंकवाद है। वे छात्रों की

बात नहीं सुनते।" चन्नी भी प्रदर्शनकारियों में शामिल हैं। कांग्रेस सांसद सुखजिंदर सिंह रंधावा ने कहा, "अगर सांसदों का यह हाल है, तो सोचिए छात्रों का क्या हाल हो रहा होगा।" पुलिस बेरहमी से हिरासत में ले रही: के. सुरेश पुलिस द्वारा हिरासत में लिए जाने

सीजेपी प्रदर्शन में उपद्रव करने वालों पर दिल्ली पुलिस का एक्शन, पांच FIR दर्ज

नई दिल्ली में सीजेपी प्रदर्शनकारियों द्वारा किए गए उपद्रव के बाद दिल्ली पुलिस ने 5 एफआईआर दर्ज की हैं। मुख्य एफआईआर में सीजेपी नेता अभिजीत दीपके सहित पांच लोगों को नामजद किया गया है और 115 पुलिसकर्मी घायल हुए थे। सोमवार को नई दिल्ली जिले में प्रदर्शन कारियों द्वारा करीब आठ घंटे तक दिल्ली को बंधक बनाने और जमकर उपद्रव करने के मामले में नई दिल्ली जिला पुलिस ने 5 एफआईआर दर्ज की है। इनमें एक एफआईआर मेन है जिसमें कॉंकरोच जनता पार्टी के नेता अभिजीत दीपके के अलावा सौरभ दास, आशुतोष रंका, विजय दहिया और अमित बालियान को नामजद किया गया है। बाकी चार अन्य एफआईआर अज्ञात के खिलाफ दर्ज की गई है। सभी पांचों एफआईआर में आपराधिक साजिश रचने की धारा कॉमन रूप से लगाई गई है। जनपथ रोड पर गोल चक्कर के प्रदर्शनकारियों को हटाने के लिए बल का प्रयोग



करती पुलिस। विपिन शर्मा। उधर, कल सोमवार उपद्रव में घायल हुए दिल्ली पुलिस के सभी अधिकारियों की राम मनोहर लोहिया अस्पताल से छुट्टी हो गई है। उपद्रव में विशेष आयुक्त, संयुक्त आयुक्त, एडिशनल पुलिस कमिश्नर, डीसीपी, एडिशनल डीसीपी और कई एसीपी घायल हो गए थे जिन्हें उपचार के लिए राम मनोहर लोहिया अस्पताल में भर्ती कराया गया था।

115 पुलिसकर्मी घायल उपद्रव में कुल 115 पुलिस अधिकारी और पुलिस कर्मी घायल हो गए थे। कल रात ही अधिकतर

की छुट्टी कर दी गई। अब करीब 30 के आसपास पुलिस भर्ती हैं जो लोअर रैंक के हैं। दिल्ली पुलिस की कई टीम को अब सीसीटीवी कैमरों के फुटेज, ड्रोन से लिए गए तस्वीरों, पुलिस द्वारा मोबाइल से बनाए गए वीडियो, इंटरनेट मीडिया आदि के जरिये उपद्रवियों को पहचान करने की कोशिश करेगी। जिसने खिलाफ साक्ष्य मिलते जाएग़ा पुलिस उन्हें गिरफ्तार करना शुरू कर देंगी। घटना के दिल्ली को हाई अलर्ट घोषित कर दिया गया है। पूरी दिल्ली में पुलिस सड़कों पर उतर कर गश्त कर रही है।

सोनम वांगचुक के शिक्षा सुधार अभियान के समर्थन में भिवानी के दादरी में धरना जारी, कई संगठनों का मिला साथ

नई दिल्ली। चरखी दादरी के किला मैदान में सोनम वांगचुक के शिक्षा सुधार अभियान के समर्थन में धरना जारी है, जिसमें विभिन्न संगठन शामिल हैं। पर्यावरण कार्यकर्ता सोनम वांगचुक के शिक्षा सुधार अभियान के समर्थन में चरखी दादरी के किला मैदान में चल रहा धरना-प्रदर्शन जारी है। आंदोलन को लगातार मिल रहे जनसमर्थन ने इसे व्यापक जनआंदोलन का रूप देना शुरू कर दिया है। धरना स्थल पर विभिन्न सामाजिक संगठनों, अधिवक्ताओं, युवाओं, ग्रामीणों और जागरूक नागरिकों ने पहुंचकर शिक्षा व्यवस्था में व्यापक सुधार की मांग को बुलंद किया। इस अवसर पर आंदोलनकारियों ने उपायुक्त के माध्यम से राष्ट्रपति के नाम ज़ापन भी सौंपा, जिसमें शिक्षा सुधार से जुड़ी मांगों पर शीघ्र प्रभावी कार्रवाई करने की अपील की गई। धरना स्थल पर सीटू की जिला सहसंयोजक कमलेश

भैरवी अपनी टीम के साथ पहुंची और आंदोलन को अपना पूर्ण समर्थन दिया। उन्होंने कहा कि गुणवत्तापूर्ण शिक्षा प्रत्येक विद्यार्थी का अधिकार है तथा शिक्षा व्यवस्था को मजबूत किए बिना देश का भविष्य सुरक्षित नहीं हो सकता। उन्होंने भरोसा दिलाया कि सीटू इस जनहित के संघर्ष में आंदोलनकारियों के साथ मजबूती से खड़ी रहेगी। धरने के दौरान अधिवक्ता संजीव तक्षक ने कहा कि यह आंदोलन केवल किसी एक व्यक्ति के समर्थन तक सीमित नहीं है, बल्कि चरखी दादरी जिले के सरकारी कॉलेजों में शिक्षकों के रिक्त पद भरने, पर्याप्त स्टाफ उपलब्ध कराने, आधारभूत सुविधाओं को सुदृढ़ करने और विद्यार्थियों को गुणवत्तापूर्ण शिक्षा उपलब्ध कराने की मांग को लेकर चलाया जा रहा है। उन्होंने कहा कि शिक्षा व्यवस्था में सुधार समय की सबसे बड़ी आवश्यकता है। राष्ट्रपति के नाम सौंपे गए ज़ापन में सरकारी



शिक्षण संस्थानों की बदहाल स्थिति पर चिंता व्यक्त करते हुए शिक्षा व्यवस्था को मजबूत बनाने के लिए ठोस कदम उठाने की मांग की गई। धरनास्थल से आंदोलनकारियों ने स्पष्ट चेतावनी दी कि यदि सरकार ने शीघ्र शिक्षा सुधार की दिशा में ठोस निर्णय नहीं लिए और चरखी दादरी जिले के सरकारी कॉलेजों की व्यवस्थाओं में सुधार नहीं किया तो आंदोलन को और व्यापक एवं निर्णायक रूप दिया

जाएगा। उन्होंने कहा कि विद्यार्थियों के भविष्य से किसी भी प्रकार का समझौता स्वीकार नहीं किया जाएगा। वहीं, अधिवक्ता राहुल फोगाट के नेतृत्व में युवा साथियों का एक प्रतिनिधिमंडल दिल्ली के किला मैदान के लिए रवाना हुआ, जहां उन्होंने शिक्षा सुधार की मांग को लेकर आयोजित प्रदर्शन में भाग लेकर आंदोलन को अपना समर्थन दिया।

अस्पताल इलाज का केंद्र है, हिरासत का नहीं'; सफदरजंग रेजिडेंट डॉक्टर्स ने राष्ट्रपति को लिखी चिट्ठी

नई दिल्ली। सफदरजंग अस्पताल के रेजिडेंट डॉक्टरों ने सोनम वांगचुक प्रकरण पर राष्ट्रपति को पत्र लिखकर अस्पताल की स्वायत्तता और मरीजों के अधिकारों की रक्षा की मांग की है। सोनम वांगचुक (सोनम वांगचुक) प्रकरण को लेकर वीएमएससी एवं सफदरजंग अस्पताल के रेजिडेंट डॉक्टर्स एसोसिएशन (आरडीए) ने राष्ट्रपति को पत्र लिखकर अस्पताल की स्वायत्तता, मरीजों के अधिकार और विद्यार्थियों के गुणवत्तापूर्ण शिक्षा उपलब्ध कराने की मांग की है। डॉक्टरों के लिए हस्तक्षेप की मांग की है। डॉक्टरों का कहना है कि वांगचुक की भर्ती के दौरान अस्पताल परिसर में अतृप्तवर्ग सुरक्षा व्यवस्था की गई, कई हिस्सों को सील कर दिया गया और इससे सामान्य मरीजों को मिलने वाली

स्वास्थ्य सेवाएं प्रभावित हुईं। पत्र में कहा गया है कि यदि कोई सक्षम मरीज लीव अगेंस्ट मेडिकल एडवाइस (एलएएमए) लेकर अस्पताल छोड़ना चाहता है और उसे इसकी अनुमति नहीं दी जाती, तो यह उसकी स्वायत्तता और संवैधानिक अधिकारों का उल्लंघन है। डॉक्टरों ने कहा कि सरकारी अस्पताल उपचार के लिए होते हैं, उन्हें कानून प्रवर्तन एजेंसियों के विस्तार के रूप में इस्तेमाल नहीं किया जाना चाहिए। अस्पताल प्रशासन को किसी भी गैर-चिकित्सकीय दबाव से मुक्त रखा जाना चाहिए। **लाटीचार्ज और आंसू गैस के इस्तेमाल की निंदा** रेजिडेंट डॉक्टरों ने जंतर-मंतर पर शांतिपूर्ण प्रदर्शनकारियों के खिलाफ कथित लाठीचार्ज और आंसू गैस के

इस्तेमाल की भी निंदा की। पत्र में लेडी हार्डिंग मेडिकल कॉलेज के फैकल्टी सदस्यों और छात्रों के साथ कथित दुर्व्यवहार का उल्लेख करते हुए इसे लोकतांत्रिक अधिकारों और संवैधानिक स्वतंत्रताओं के विपरीत बताया गया है।आरडीए ने राष्ट्रपति से पूरे घटनाक्रम की स्वतंत्र, निष्पक्ष और समयबद्ध जांच, सक्षम मरीजों के एलएएमए अधिकार की रक्षा, अस्पतालों को केवल स्वास्थ्य सेवाओं तक सीमित रखने, सफदरजंग अस्पताल में सुरक्षा व्यवस्था की समीक्षा, दीर्घाधिकारियों के खिलाफ कार्रवाई तथा स्वास्थ्यकर्मियों, छात्रों और शांतिपूर्ण नागरिकों की सुरक्षा सुनिश्चित करने की मांग की है। एसोसिएशन की ओर से अध्यक्ष डॉ. देवांशी कौल,



उपाध्यक्ष डॉ. राहुल, महासचिव डॉ. आयुष राज, संयुक्त सचिव डॉ. अमित यादव और कोषाध्यक्ष डॉ. रोहित राठी ने हस्ताक्षर कर कहा कि यह पत्र

किसी राजनीतिक उद्देश्य से नहीं, बल्कि मेडिकल पृथक्, मरीजों के अधिकारों और संवैधानिक मूल्यों की रक्षा के लिए लिखा गया है। उन्होंने

चेतावनी दी कि यदि इन मुद्दों पर शीघ्र ध्यान नहीं दिया गया तो स्वास्थ्य सेवाएं प्रभावित हो सकती हैं और डॉक्टरों में असंतोष बढ़ सकता है।

अभिजीत दीपके ने जेपी नड्डा से बैठक को बताया 'व्यर्थ', जंतर-मंतर पर सीजेपी का प्रदर्शन जारी

सीजेपी विरोध प्रदर्शन : जंतर-मंतर पर अभिजीत दीपके के नेतृत्व में सीजेपी का शिक्षा व्यवस्था में गड़बड़ियों और नीट पेपर लीक के खिलाफ प्रदर्शन जारी है। दीपके ने केन्द्रीय मंत्री जेपी नड्डा से हुई बैठक को 'व्यर्थ' बताया। कॉंकरोच जनता पार्टी (सीजेपी) के संस्थापक अभिजीत दीपके के नेतृत्व में जंतर मंतर पर शिक्षा व्यवस्था में गड़बड़ियों, नीट पेपर लीक और अन्य परीक्षा घोटालों के खिलाफ प्रदर्शन आज मंगलवार को भी जारी है। प्रदर्शनकारियों ने प्रभावित छात्रों को न्याय की मांग को लेकर धरना-प्रदर्शन जारी रखा है। सोमवार को पुलिस के साथ झड़प के बाद भी धरना स्थल पर प्रदर्शनकारी डटे हुए हैं। हालांकि, प्रदर्शनकारी अब उतने नहीं हैं। ना ही वहां मंच है। संसद भवन के समीप आंसू गैस के गोले छोड़ने पर भागते पदर्शनकारी और मची अफरा तफरी। फोटो- चंद्र प्रकाश मिश्र सोमवार को सीजेपी के सौरभ दास, आशुतोष रंका



की केन्द्रीय स्वास्थ्य मंत्री जेपी नड्डा से मुलाकात हुई। बैठक में मांगों का पत्र सौंपा गया और सरकार के शीर्ष नेतृत्व से चर्चा का आश्वासन मिला। हालांकि, अभिजीत दीपके ने इस बैठक को व्यर्थ बताया। उनका कहना है कि यह बैठक बंधक बनाकर रखने जैसी थी या फलदायी नहीं रही। सुरक्षा व्यवस्था और हालात दिल्ली पुलिस ने अर्धसैनिक बल के साथ जंतर मंतर और आसपास तांगड़े सुरक्षा इंतजाम किए हैं। सुरक्षा घेरा बढ़ाकर

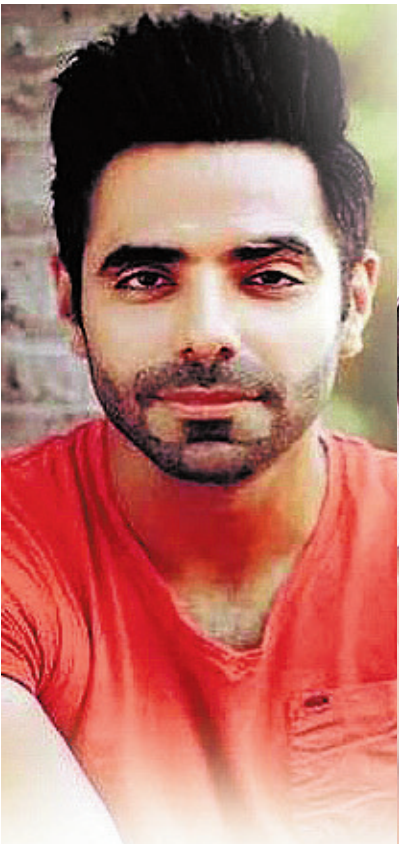
अशोक रोड के कोने तक ले आए हैं। सोमवार को संसद मार्च के दौरान लाठीचार्ज की घटनाएं हुईं, जिसमें कई प्रदर्शनकारी घायल हुए थे। उनमें से अधिकांश अपने घरों को जा चुके हैं। जबकि सोनम वांगचुक की भूख हड़ताल जारी है। दीपके ने पुलिस की क्रूरता पर दुख जताया। सोशल मीडिया में अभी भी ट्रेंड कर रहा है सीजेपी और आंदोलन सोशल मीडिया और सोशल पर चर्चा के केन्द्र में आज भी सीजेपी है।

पेपर लीक मामले पर कांग्रेस का बड़ा दांव, 9 अगस्त को दिल्ली में छात्रों से संवाद करेंगे राहुल गांधी



नई दिल्ली। देश में प्रतियोगी परीक्षाओं के पेपर लीक मामले को लेकर कांग्रेस भी केंद्र सरकार के खिलाफ मोर्चा खोलने जा रही है। प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष देवेन्द्र यादव ने संगठन महासचिव अनिल भारद्वाज के साथ सोमवार को एक पत्रकार वार्ता में बताया कि लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी नौ अगस्त को राजधानी में एक बड़े छात्र सम्मेलन को संबोधित करेंगे। कांग्रेस देश में प्रतियोगी परीक्षाओं के पेपर लीक मामले को लेकर केंद्र सरकार के खिलाफ मोर्चा खोलने जा रही है।

राहुल गांधी 9 अगस्त को दिल्ली में एक बड़े छात्र सम्मेलन को संबोधित करेंगे, जिसमें शिक्षा मंत्री के इस्तीफे और परीक्षा सुधारों की मांग की जाएगी। इससे पहले कांग्रेस बुधवार को राजधानी में "छात्रों की गुंज" कार्यक्रम आयोजित करेगी, जिसमें गौरव गोगाई और इमरान मसूद जैसे वरिष्ठ नेता शामिल होंगे। यादव ने केन्द्रीय शिक्षा मंत्री धर्मेन्द्र प्रधान के इस्तीफे की मांग करते हुए कहा कि पिछले 10 वर्षों में करीब 90 पेपर लीक हुए हैं, जिससे 7.5 करोड़ से अधिक युवाओं का भविष्य प्रभावित हुआ है। उन्होंने नेशनल टेस्टिंग एजेंसी (एनटीए) की स्वतंत्र जांच, परीक्षा सुधार और पेपर लीक मामलों के निपटारे के लिए विशेष अदालतों के गठन की भी मांग की है।



इमरान हाशमी की आगामी फिल्म में विलेन का रोल निभाएंगे अपारशक्ति खुराना

एक्टर अपारशक्ति खुराना अपने करियर में अलग-अलग तरह के किरदार निभाने के लिए जाने जाते हैं। अब अपारशक्ति इमरान हाशमी की आने वाली फिल्म 'गनमास्टर जी' में विलेन का रोल निभाते नजर आएंगे। हाल ही में सेट से उनकी पहली झलक सामने आई है, जिसमें एक नजर में उन्हें पहचानना तक मुश्किल हो रहा है।

अपारशक्ति खुराना ने दिखाई अपने किरदार की झलक

अपारशक्ति ने अपने इंस्टाग्राम पर फिल्म से अपने लुक की झलक साझा की है। उन्होंने जबरदस्त एक्शन सीन की कई तस्वीरें और विलेन शायर की। साथ ही विलेन के रफ लुक में अपनी तस्वीरों और सेट की एक झलक भी दिखाई। इसके साथ उन्होंने कैप्शन में लिखा, 'विलेन की तरह चिल कर रहा हूँ। सच में...'

एक्शन अवतार में नजर आएंगे इमरान हाशमी

'गनमास्टर जी' का निर्देशन आदित्य दत्त ने किया है, जिन्होंने 'आशिक बनाया आपने' को डायरेक्ट किया था। आदित्य दत्त 'क्रैक', 'टेबल नंबर 21' और 'कमांडो' फ्रैंचाइजी के लिए जाने जाते हैं। फिल्म में इमरान हाशमी और अपारशक्ति खुराना के अलावा जेनेलिया डिसूजा और अभिषेक सिंह भी हैं। इस फिल्म में इमरान हाशमी एक ऐसे एक्शन अवतार में दिखेंगे जैसा पहले कभी नहीं देखा गया। इसमें शानदार विजुअल्स और इमोशनल कहानी होगी जो ज्यादातर दर्शकों को पसंद आएगी।

अपारशक्ति को आखिरी बार सौरभ शुक्ला की डायरेक्ट की गई रोमांटिक कॉमेडी-ड्रामा फिल्म 'जब खुली किताब' में देखा गया था। यह फिल्म सौरभ शुक्ला के ही इसी नाम के स्टेज प्ले पर आधारित है। फिल्म में पंकज कपूर और डिपल कपाडिया एक बुजुर्ग जोड़े के रोल में हैं, जो शादी के 50 साल बाद तलाक लेने का फैसला करते हैं। इसके बाद वह नवजोत गुलाटी की डायरेक्ट की गई कॉमेडी-ड्रामा फिल्म 'बदतमीज गिल' में नजर आएंगे। इस फिल्म में वाणी कपूर, अपारशक्ति खुराना, परेश रावल, शोबा चड्ढा, रिचर्ड भिक्तर वलेन और मोनिका चौधरी जैसे कलाकार हैं।



नाइला ग्रेवाल को कैसे मिली एटली की फिल्म 'राका'

फिल्ममेकर एटली एक नई फिल्म 'राका' लेकर आ रहे हैं। इस पर काम जारी है। इसमें अल्लू अर्जुन लीड रोल में होंगे। बॉलीवुड एक्ट्रेस दीपिका पादुकोण भी इसमें अहम किरदार में होंगी। इस फिल्म से बॉलीवुड अभिनेत्री नाइला ग्रेवाल भी जुड़ी हैं। अभिनेत्री ने एटली के साथ काम करने के अपने अनुभव को बताया है।

नाइला ने की एटली की तारीफ

नाइला ग्रेवाल कहती हैं 'वे एक ऐसे व्यक्ति हैं जो बहुत बड़े पैमाने, ऊँचे मुकाम और अलग तरह की कहानी कहने के अंदाज पर काम करते हैं। इतनी बड़ी फिल्म को हकीकत का रूप देने के लिए जितनी लगन और मेहनत की जरूरत होती है वो वही कर सकते हैं।' नाइला

ग्रेवाल बॉलीवुड में अपने 11 साल के करियर के बाद, 'राका' से साउथ में डेब्यू कर रही हैं। यह प्रोजेक्ट एटली और अल्लू अर्जुन के बीच पहला सहयोग भी है। ग्रेवाल बताती हैं कि यह मौका तब मिला जब उन्होंने अपनी पहली मुलाकात में एटली के साथ काम करने की इच्छा जाहिर की। उन्होंने कहा 'उन्होंने उस बातचीत को आगे बढ़ाया। उन्होंने किसी ऐसे व्यक्ति के साथ काम करने पर विचार किया, जिसने अब तक सिर्फ हिंदी फिल्म इंडस्ट्री में काम किया हो।' नाइला ग्रेवाल का वर्कफ्रंट

2015 में इमियाज अली की फिल्म 'तमाशा' से बॉलीवुड में डेब्यू करने वाली यह एक्ट्रेस हाल ही में 'मामला लीगल है' के सीजन 2 में वकील के किरदार में नजर आई थीं। इसमें उनके साथ रवि किशन, निधि बिष्ट, अनंत जोशी और अंजुम बत्रा भी थे।

32 की लड़की, शादी का दबाव और किराए के दूल्हे की खोज... मजेदार है खुशाली की 'दुल्हनिया ले आएंगी' का ट्रेलर

अभिनेत्री खुशाली कुमार इन दिनों अपनी आगामी फिल्म 'दुल्हनिया ले आएंगी' को लेकर सुर्खियों में हैं। यह एंटरटेनमेंट से भरपूर एक फैमिली ड्रामा फिल्म होगी। इसका ट्रेलर देखकर तो कुछ यही लग रहा है। फिल्म 'दुल्हनिया ले आएंगी' का ट्रेलर रिलीज हो चुका है। फिल्म 'दुल्हनिया ले आएंगी' का फर्स्ट लुक पोस्टर बीते महीने रिलीज हुआ था। आज गुरुवार को ट्रेलर सामने आया है। इसमें खुशाली कुमार के अलावा दिग्गज अभिनेता महेश मांजरेकर और पीयूष मिश्रा भी अहम भूमिकाओं में हैं। ट्रेलर की शुरुआत नया 'खुशाली कुमार' की शादी की टेंशन से होती है। बरेली की रहने वाली नया की उम्र 32 हो चुकी है और शादी का बहुत दबाव है।

शादी से एक दिन पहले दूल्हे की खोज शुरू

ट्रेलर की शुरुआत ही तांनों के साथ होती है, '32 की हो गई है और कितना टाइम लगेगा'। मगर, नया पर इसका जरा भी फर्क नहीं और वह जवाब देती है, 'हर लड़की 31 के बाद 32 की ही होती है।' जवाब मिलता है, 'हमारी रिश्तेदारी में कोई ऐसी लड़की नहीं है, जो 32 की है और उसकी शादी नहीं हुई।' कई लड़के रिजेक्ट करने के बाद एक लड़के से शादी का बात होती है, लेकिन यहां भी राह में रोड़ा है। शादी की तैयारियों के बीच चीजें बिखर जाती हैं। मां-बाप की अलग टेंशन है। ऐसे में किराए के दूल्हे की खोज शुरू होती है।



यश आहूजा के डेब्यू पर बोले गोविंदा; कहा- बेटे पर पूरा भरोसा है

अभिनेता गोविंदा करीब सात साल बाद सिल्वर स्क्रीन पर वापसी करने वाले हैं। वे फिल्म 'रूपा' में नजर आएंगे, जिसे प्रोड्यूस भी गोविंदा ही कर रहे हैं। इसका एलान हाल ही में गोविंदा ने एक प्रेस कॉन्फ्रेंस में किया। इसी दौरान उन्होंने अपने बेटे यश आहूजा के डेब्यू पर भी बात की और खुशी जताई। गोविंदा के बेटे यश जल्द डेब्यू करने वाले हैं। यह बात उनकी मां सुनीता आहूजा ने हाल ही में बताई थी। फिल्म को एकता कपूर प्रोड्यूस कर रही हैं। अब गोविंदा ने भी बेटे यश के डेब्यू पर बात करते हुए खुशी जाहिर की। एक्टर ने कहा कि उन्हें उम्मीद है कि यश उनसे भी ज्यादा

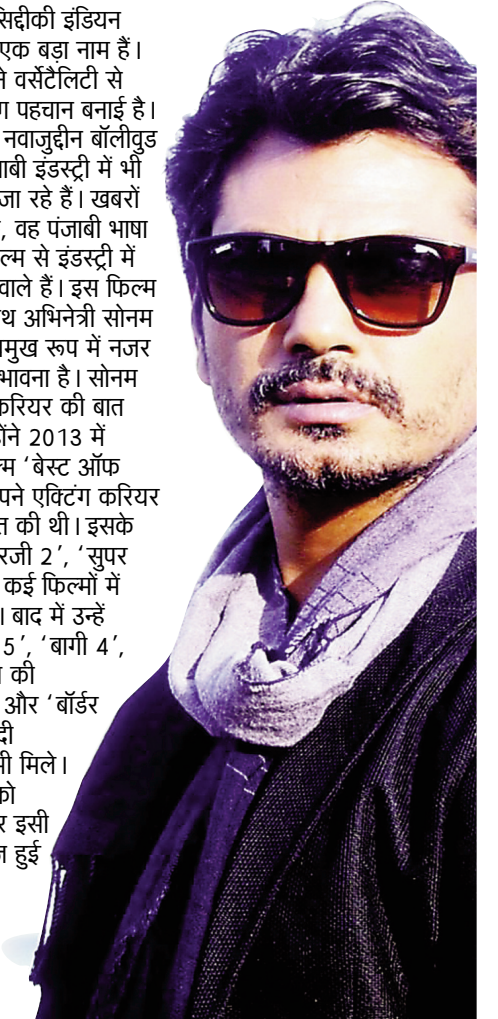
कामयाबी हासिल करेंगे। अपनी आगामी फिल्म 'रूपा' की प्रेस कॉन्फ्रेंस में बात करते हुए गोविंदा ने अपने बेटे के प्रतिभा की तारीफ की। बेटे की काबिलियत पर भरोसा है गोविंदा ने यश को बेहद प्रतिभाशाली बताते हुए कहा कि वे टैक्निकली एक अलग ही लेवल पर हैं। चाहे एक्टिंग हो, डांस हो, एक्शन हो या बस उनकी ओवरऑल पर्सनेलिटी, उनमें बहुत कुछ है। मुझे सच में उम्मीद है कि वे मुझसे भी ज्यादा कामयाबी हासिल करेंगे। एक्टर ने कहा कि उन्हें अपने बेटे की काबिलियत पर पूरा भरोसा है। यश अपनी मां सुनीता आहूजा के साथ बॉलीवुड में डेब्यू करेंगे। मां-बेटे की यह जोड़ी प्रोड्यूसर एकता कपूर की फिल्म से लॉन्च होगी। समाचार एजेंसी से बात करते हुए सुनीता ने इस

प्रोजेक्ट के बारे में जानकारी दी। उन्होंने बताया कि फिल्म के सितंबर में रिलीज होने की उम्मीद है और यह भी बताया कि वह पद पर भी यश की मां का किरदार निभाएंगी।



सोनम बाजवा के साथ बनेगी नवाजुद्दीन की जोड़ी

नवाजुद्दीन सिद्दीकी इंडियन सिनेमा का एक बड़ा नाम हैं। उन्होंने अपने वसंतिदिनी से अपनी अलग पहचान बनाई है। लेकिन अब नवाजुद्दीन बॉलीवुड से इतर पंजाबी इंडस्ट्री में भी डेब्यू करने जा रहे हैं। खबरों के मुताबिक, वह पंजाबी भाषा की एक फिल्म से इंडस्ट्री में डेब्यू करने वाले हैं। इस फिल्म में उनके साथ अभिनेत्री सोनम बाजवा के प्रमुख रूप में नजर आने की संभावना है। सोनम बाजवा के करियर की बात करें तो उन्होंने 2013 में पंजाबी फिल्म 'बेस्ट ऑफ लक' से अपने एक्टिंग करियर की शुरुआत की थी। इसके बाद 'सरदारजी 2', 'सुपर सिंह' जैसी कई फिल्मों में काम किया। बाद में उन्हें 'हाउसफुल 5', 'बागी 4', 'एक दीवाने की दीवानियत' और 'बॉर्डर 2' जैसे हिंदी प्रोजेक्ट्स भी मिले। नवाजुद्दीन को आखिरी बार इसी साल रिलीज हुई फिल्म 'मैं एक्टर नहीं हूँ' में देखा गया था।



मैं रियलिटी शो का कंटेस्टेंट नहीं बन सकता

बाल कलाकार के रूप में अपने करियर का आगाज करने वाले कुणाल खेमू एक्टर, डायरेक्टर, लेखक और सिंगर के रूप में अपना हुनर दिखा चुके हैं, मगर इन दिनों वह चर्चा में हैं अपने एक नए रोल में और वो है रियलिटी शो 'अलायंस' के होस्ट के रूप में। ओटीटी पर आए इस नए शो को होस्ट करने वाले कुणाल खास खास मुलाकात में पत्नी सोहा, बेटी इनाया, अपने निर्देशन, बॉक्स ऑफिस आदि पर तो बात करते ही हैं, मगर साथ ही अपने पसंदीदा होस्ट के बारे में बताना नहीं भूलते। कुणाल खेमू कहते हैं, 'हमारे यहां कपिल शर्मा ने इतने सालों तक शानदार होस्टिंग की है। लोग शो उनके लिए देखते हैं। अमिताभ बच्चन सर ने 'कोन बनेगा करोड़पति' को जिस गरिमा और आवाज के साथ होस्ट किया है, वह कमाल है। सच कहूँ तो मुझे ऐसा कोई होस्ट याद नहीं आता जिसके बारे में कह सकूँ कि वह अच्छा नहीं है। सभी अपने-अपने तरीके से अच्छा काम कर रहे हैं।' दिल से जुड़े रिश्तों को जाने न दें

सोहा अली के साथ कुणाल खेमू की शादी को 11 साल से भी ज्यादा हो गए हैं। अपनी खुशनुमा शादी पर जब उन्हें टिप्स देने को कहा जाता है, तो वह कहते हैं कि इस मामले में कोई टिप्स काम नहीं

करते। बकौल कुणाल, 'मेरी सबसे बड़ी सलाह यही होगी कि किसी और की सलाह पर अपनी जिंदगी मत चलाइए। अपनी लाइफ अपने हिसाब से जीएं। उसमें कभी खट्टे पल होंगे, कभी मीठे। और सबसे जरूरी बात, सोशल मीडिया देखकर किसी रिश्ते को मत आँकिए। वहां कोई अपनी मुश्किलें नहीं दिखाता, हर किसी की जिंदगी अच्छी ही दिखाई देती है। हर रिश्ते में उतार-चढ़ाव आते हैं, हर अलायंस में उभी बनी। लेकिन मैं हमेशा मानता हूँ कि अगर कोई रिश्ता दिल से जुड़ा है, तो उसे इतनी आसानी से जाने नहीं देना चाहिए। हमारी बॉन्डिंग कोई एक दिन में नहीं बनी। एक-दूसरे को समझने, टयूनिंग बनाने और साथ बढ़ने में सालों लगते हैं। आजकल लोग रिश्तों को समय ही नहीं देते। सब कुछ बहुत जल्दी चाहिए।

निर्देशन में कंट्रोल आपके हाथ में होता है

एक्टर हो, निर्देशन या सिंगिंग या फिर होस्टिंग हो, कुणाल सबसे ज्यादा किस काम को एंजॉय करते हैं? इस पर वह कहते हैं, 'मैंने कभी भी कोई काम जरूरत के लिए नहीं किया। मुझे अगर अच्छा लगता है, मैं तभी करता हूँ। हाँ, पहला प्यार मेरा हमेशा एक्टिंग ही रहेगा। अभिनय में मुझे बहुत ज्यादा मजा आया, मगर फिर निर्देशन और लेखन मेरे लिए काफी

लिब्रेटिंग था। जब आप निर्देशन करते हैं, तो वहां कंट्रोल आपके हाथ में होता है। एक अभिनेता के तौर पर आपके हाथ में सिर्फ आपका किरदार और परफॉर्मेंस होती है। ये सब डायरेक्टर तय करता है। जब मैंने डायरेक्शन किया तो पहली बार वह कंट्रोल मेरे हाथ में था। होस्टिंग इसलिए दिलचस्प लगी क्योंकि यह मेरे लिए बिल्कुल नया क्षेत्र था। मैंने पहले कभी किया नहीं था। नया सीखने का मौका मिला। 'अलायंस' जैसे रियलिटी शो की होस्टिंग करने वाले कुणाल अपने करियर में किसी रियलिटी शो का कंटेस्टेंट बनने से साफ इंकार करते हैं। वह कारण

बताते हुए कहते हैं, 'नहीं... बिल्कुल नहीं। मैं नहीं बन सकता, जो लोग ऐसा करते हैं, वो बहुत बहादुर होते हैं। 24 घंटे कैमरों के बीच रहना, कोई आपको बताए कि अब उठो, अब टास्क करो, अब ये करो... मुझे नहीं लगता कि मैं ऐसा कर पाऊंगा। ऊपर से जब आप बाहर निकलते हैं तो पता चलता है कि बाहर की दुनिया ने आपके बारे में अपनी अलग राय बना ली है। मेरी पर्सनेलिटी ऐसी नहीं है कि मैं लंबे समय तक ऐसे माहौल में रह सकूँ। मैं हमेशा कई चीजें कर रहा होता हूँ। इसलिए मुझे नहीं लगता कि मैं एक अच्छा रियलिटी शो कंटेस्टेंट बन पाऊंगा।'

फिल्ममेकिंग और बॉक्स ऑफिस परफॉर्मेंस पर.....

'आज दर्शकों के पास मनोरंजन के कई ऑप्शन्स हैं। अगर किसी इंसान के पास दिन के सिर्फ तीन घंटे एंटरटेनमेंट के लिए हैं तो अब सिर्फ फिल्में उन तीन घंटों के लिए नहीं लड़ रही, बल्कि बाकी सारे प्लेटफॉर्म भी उसी समय के लिए मुकाबला कर रहे हैं। ऐसे में सबसे जरूरी चीज है कि आपकी कहानी दर्शक की कल्पना को पकड़ पाए। अगर कहानी अच्छी है तो बिना बड़े बजट और बिना बड़ी मार्केटिंग के भी फिल्म सफल हो जाती है। कई अलग-अलग भाषाओं की फिल्मों ने यह साबित किया है। हॉलीवुड में भी ऐसी फिल्में हुई हैं, जिन्हें बहुत कम बजट में बनाया गया, लेकिन उन्होंने सैकड़ों मिलियन डॉलर का कारोबार किया जैसे ऑब्सेशन को ही ले लीजिए, क्योंकि लोग कहानी से जुड़ गए। मुझे लगता है कि अगर हर व्यक्ति अपना काम ईमानदारी और पैशन के साथ करे, लोगों पर भरोसा करे और उन्हें अपना काम करने दे, तो चीजें बेहतर होंगी।'